

# लोकसभा में तेजस्वी सूर्या की स्पीच पर कांग्रेस का हंगामा,अमित शाह ने एक लाइन में किया चुप

एजेंसी। दिल्ली। लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान, तेजस्वी सूर्या ने कांग्रेस पर भारतीय परंपराओं की अनदेखी का आरोप लगाया, जिससे हंगामा हो गया। कांग्रेस सांसद के विरोध पर गृह मंत्री अमित शाह ने हस्तक्षेप करते हुए स्पष्ट किया कि सूर्या राष्ट्रपति के उल्लेख की बात कर रहे हैं, जबकि विपक्षी सांसद केरल विधानसभा का जिक्र कर रहे थे। राष्ट्रपति के भाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान, भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या द्वारा कांग्रेस को चुनौती देने से हंगामा मच गया, जिसके बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को हस्तक्षेप करना पड़ा। तेजस्वी सूर्या ने अपने संबोधन में कांग्रेस की आलोचना करते हुए कहा कि उसकी सरकार ने भारत की सम्यतागत परंपराओं का कभी जिक्र नहीं किया। उन्होंने कांग्रेस नेताओं को पूर्व राष्ट्रपतियों के भाषणों को



पढ़ते हुए ऐसा कोई उदाहरण दिखाने की चुनौती दी। सूर्या ने आरोप लगाया कि स्वामी विवेकानंद की 150वीं जयंती पर दिए गए संक्षिप्त भाषण के अलावा, कांग्रेस के 10 वर्षों के शासनकाल में भारत की संस्कृति, परंपरा, सम्यतागत मूल्यों और परंपराओं का कोई जिक्र नहीं हुआ।

यह देश के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सूर्या ने आगे कहा कि वही, 2014 में प्रधानमंत्री ने परंपरा और प्रौद्योगिकी में सुधार का वादा किया था। उस वादे को पूरा करने वाले एकमात्र व्यक्ति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। सूर्या की टिप्पणियों का कांग्रेस नेताओं ने तुरंत विरोध किया, जिसके बीच कांग्रेस सांसद विभी ईडन ने सूर्या का खंडन किया।

उन्होंने कहा कि केरल विधानसभा के पूर्व सदस्य पीटी थॉमस ने श्री नारायण गुरुदेव के बारे में बहुत कुछ कहा है और सूर्या की टिप्पणियों को उनका अपमान बताया। ईडन ने कहा कि पीटी थॉमस ने श्री नारायण गुरुदेव के बारे में बहुत कुछ कहा है। तेजस्वी सूर्या यह दावा कैसे कर सकते हैं कि किसी भी कांग्रेस नेता ने भारतीय परंपराओं के बारे में बात नहीं की है? उन्होंने श्री नारायण गुरुदेव का अपमान किया है। ईडन के इस बयान पर गृह मंत्री अमित शाह ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि कांग्रेस सांसद फंसद पर नहीं, केरल पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। शाह ने व्यंग्य करते हुए कहा कि उनका ध्यान केरल पर है, यहां पर नहीं। सूर्या राष्ट्रपति के उल्लेख की बात कर रहे हैं।

# बजट से युवाओं को जोड़ने की बड़ी पहल, -मनसुख मांडविय

एजेंसी। दिल्ली। केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने युवाओं को केंद्रीय बजट 2026 से जोड़ने के लिए माई भारत बजट क्वेस्ट का शुभारंभ किया, जिसका उद्देश्य प्रश्नोत्तरी और निबंध लेखन के माध्यम से बजटीय प्रक्रिया में युवाओं की समझ और सहभागिता बढ़ाना है। इस राष्ट्रव्यापी पहल के विजेताओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ विकसित भारत की परिकल्पना पर संवाद करने का अवसर मिलेगा। केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने सोमवार को माई भारत बजट क्वेस्ट 2026 का शुभारंभ किया। यह एक राष्ट्रव्यापी युवा-केंद्रित पहल है जिसका उद्देश्य देश के युवाओं को केंद्रीय बजट की बेहतर समझ प्रदान करना और बजटीय प्रावधानों को अधिक सुलभ, प्रासंगिक और नागरिक-केंद्रित बनाना है। इस पहल का लक्ष्य एक संरचित और सहभागी ढांचे के माध्यम से देश भर के कॉलेजों, संस्थानों और कोचिंग केंद्रों के युवाओं को शामिल करके केंद्रीय बजट 2026 को नागरिकों के रोजमर्रा के जीवन से जोड़ना है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह प्रतियोगिता कल (3 फरवरी, 2026) से माय भारत



पोर्टल पर पंजीकृत युवा भाग ले सकते हैं। भाग लेने की अंतिम तिथि 17 फरवरी है। इसके बाद, प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों का चयन किया जाएगा और वे 17 फरवरी से 3 मार्च, 2026 तक दूसरे दौर में भाग लेंगे, जो निबंध लेखन का दौर होगा। निबंध लेखन के इस दौर में युवाओं को विकसित भारत की परिकल्पना के अनुरूप केंद्रीय बजट से संबंधित 8 विषय दिए जाएंगे। प्रतिभागी निबंधों के माध्यम से अपने विचार और सुझाव

साझा करेंगे। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि इस वर्ष के बजट भाषण के दौरान, वित्त मंत्री ने वीवीवाईएलडी के दौरान युवाओं द्वारा साझा किए गए नवान्मेषी

शामिल किया गया है। माय भारत बजट प्रश्नोत्तरी के साथ, हम इस भावना को जारी रखना चाहते हैं और एक बार फिर युवा आवाजों को शक्त बनाना चाहते हैं। निबंधों का मूल्यांकन 3 मार्च से 10 मार्च, 2026 के बीच किया जाएगा और राज्यकेंद्र शासित प्रदेशों के अनुसार योग्यता सूची 10 मार्च, 2026 को घोषित की जाएगी। राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों के विजेताओं को बाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ एक संवाद में भाग लेने का अवसर मिलेगा, जिसमें वे विकसित भारत बजट की परिकल्पना पर चर्चा करेंगे। यह संवाद राष्ट्रीय आर्थिक चर्चा और संकास प्राथमिकताओं में युवाओं की जागरूक भागीदारी के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करेगा।

## राहुल गांधी का सरकार पर वार, राजनाथ सिंह का पलटवार, सदन में संग्राम

एजेंसी। दिल्ली। लोकसभा में राहुल गांधी द्वारा पूर्व सेना प्रमुख के संस्मरण का हवाला देकर चीन का मुद्दा उठाने पर भारी हंगामा हुआ, जिसके चलते सदन की कार्यवाही को कई बार स्थगित करना पड़ा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राहुल के दावों को

काल्पनिक बताते हुए उन पर सदन को गुमराह करने का आरोप लगाया। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने लोकसभा में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा अपना नौवां केंद्रीय बजट पेश करने के एक दिन बाद राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान अपनी बात रखी। राहुल गांधी की बहस



“Accreditation” दंत उपचार में गुणवत्ता नियंत्रण और प्रत्यायन एकीडिटेशन का महत्व विषय पर तथ्यात्मक और विश्लेषणात्मक व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि—

गुणवत्ता नियंत्रण से उपचार की विश्वसनीयता और परिणाम दोनों बेहतर होते हैं। एकीडिटेशन से विलनिक और संस्थान राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय मानकों पर खरे उतरते हैं। आने वाले समय में बिना एकीडिटेशन के प्रोफेशनल पहचान बनाए रखना कठिन होगा। डॉ. ऐरन ने NABH और अरित डेंटल सिस्टम, इंफेक्शन कंट्रोल, डॉक्यूमेंटेशन और पेशेंट सेप्टी पर भी विस्तार से प्रकाश डाला।

कार्यक्रम दंत चिकित्सा की गुणवत्ता और मानकीकरण पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ शिक्षाविद् डॉ हिमांशु ऐरन वाइस-चांसलर, रास बिहारी बोस सुभारती यूनिवर्सिटी, देहरादून रहे। आयोजन में दंत उपचार में गुणवत्ता नियंत्रण और एकीडिटेशन जैसे समसामयिक मुद्दों पर गंभीर एवं व्यावहारिक विमर्श हुआ।

मुख्य अतिथि के रूप में

के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हस्तक्षेप किया, जिसके बाद सदन में खूब हंगामा देखने को मिला। बहस के लिए कुल 18 घंटे का समय निर्धारित किया गया है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 4 फरवरी को अपना जवाब देंगे। संसद का बजट सत्र 28 जनवरी, 2026 को दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति के पारंपरिक संबोधन के साथ शुरू हुआ। राज्यसभा में सोमवार को सदस्यों ने फर्जी जाति प्रमाणपत्र, किसानों की समस्याओं और मानव पशु संघर्ष जैसे मुद्दे उठाए और सरकार से इनके समाधान की मांग करते हुए कहा कि आम आदमी को इन वजहों से कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को सदन में एक पूर्व सेना प्रमुख विवरण सार्वजनिक होने तक वैन नहीं दिया जाएगा। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, यदि कर्मचारी भुगतान में देरी करते रहे तो सरकार अनुशासनात्मक कार्यवाई शुरू कर सकती है।

भ्रष्टाचार विरोधी कड़े उपायों के लिए जाने जाने वाले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल के वर्षों में कई प्रभावशाली कदम उठाए हैं, जिनमें व्यापक रूप से चर्चित शुलडोजरश्र उपाय भी शामिल हैं। इसी वजह से उन्हें शुलडोजर बाबाश के नाम से भी जाना जाता है। सरकार का कर्मचारियों को स्पष्ट संदेश है कि संपत्ति का पूरा विवरण सार्वजनिक होने तक वैन नहीं दिया जाएगा। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, यदि कर्मचारी भुगतान में देरी करते रहे तो सरकार अनुशासनात्मक कार्यवाई शुरू कर सकती है।

आगे विभागीय कार्यवाई की जा सकती है। योगी आदित्यनाथ सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ लगातार सख्त रुख अपनाती रही है। सादगीपूर्ण जीवनशैली और

# यूपी में योगी सरकार का बड़ा एक्शन, 68 हजार कर्मचारियों की वेतन पर लगी रोक, मचा हड़कंप

संवाददाता। लखनऊ। योगी आदित्यनाथ सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ लगातार सख्त रुख अपनाती रही है। सादगीपूर्ण जीवनशैली और भ्रष्टाचार विरोधी कड़े उपायों के लिए जाने जाने वाले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल के वर्षों में कई प्रभावशाली कदम उठाए हैं, जिनमें व्यापक रूप से चर्चित शुलडोजरश्र उपाय भी शामिल हैं। उत्तर प्रदेश से एक बड़ा घटनाक्रम सामने आया है, जहां योगी सरकार ने 68,236 राज्य कर्मचारियों का वेतन रोक दिया है, जिससे विभिन्न विभागों में दहशत और चिंता का माहौल छा गया है। यह निर्णय इन कर्मचारियों द्वारा अनिवार्य संपत्ति घोषणा पत्र जमा न करने के बाद लिया गया है। राज्य में वर्तमान में कुल 8,66,261 सरकारी कर्मचारी हैं। सभी कर्मचारियों को 31 जनवरी तक मानव संविदा पोर्टल पर अपनी चल और अचल संपत्ति का विवरण अपलोड करने का निर्देश दिया



इसका पालन न करने वालों का वेतन अगली सूचना तक रोक दिया गया है। अधिकारियों का कहना है कि वेतन रोकना अंतिम चरण नहीं है और यदि लंबित घोषणाएं

गया था। जानकारी के अनुसार, शीघ्र जमा नहीं की जाती हैं तो आगे विभागीय कार्यवाई की जा सकती है। योगी आदित्यनाथ सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ लगातार सख्त रुख अपनाती रही है। सादगीपूर्ण जीवनशैली और

राहुल गांधी के समर्थन में यत्न का सवाल, चर्चा से क्यों डरती है सरकार? एजेंसी। दिल्ली। शशि थरुर ने राहुल गांधी का समर्थन करते हुए सरकार पर निशाना साधा है, सवाल किया कि चीन जैसे गंभीर मुद्दे पर सरकार संसद में चर्चा से क्यों डरती है। यह विवाद तब शुरू हुआ जब राहुल गांधी ने लोकसभा में पूर्व सेना प्रमुख नरवर्ण के अप्रकाशित संस्मरण का हवाला देने का प्रयास किया, जिस पर सरकार ने आपत्ति जताई। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के संसद के अंदर दिए गए बयान पर कांग्रेस सांसद शशि थरुर ने कहा कि हमारे पास ऐसी सरकार क्यों है जो चर्चा से डरती है? यह वाकई दुखद है। मुझे लगता है कि सरकार को इस तरह प्रतिक्रिया नहीं देनी चाहिए थी।

# गुणवत्ता और एकीडिटेशन ही दंत चिकित्सा का भविष्य

प्रोफेसर डॉ. हिमांशु ऐरन का सशक्तसदेश, IDA सहारनपुर का भव्य आयोजन सहारनपुर। विजडम इंडिया। इंडियन डेंटल एसोसिएशन (IDA) सहारनपुर शाखा द्वारा होटल रॉयल रेजीडेंसी में इंस्टॉलेशन सेरेमनी एवं सीडीई



राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय व्याख्यान एवं वर्कशॉप के साथ वे इंडियन प्रोस्थोडॉन्टिक सोसाइटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और डेंटल काउंसिल ऑफ इंडिया के सदस्य भी रह चुके हैं। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्य चिकित्सा अधिकारी, सहारनपुर ने दंत स्वास्थ्य को सार्वजनिक स्वास्थ्य का अहम स्तंभ बताया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ प्रवीण कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि चिकित्सा सेवाओं में निश्चित स्टैलिस्ट और इमरजेंसी के समय त्वरित एवं नैतिक उपचार व्यवस्था अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पारदर्शी शुल्क प्रणाली से आमजन का विश्वास बढ़ता है और आपातकालीन परिस्थितियों में समय पर उपचार ही जीवन रक्षा का सबसे बड़ा माध्यम बनता है।

## डिप्टी सीएम विजय सिन्हा का बड़ा ऐलान, एनडीए सरकार की नई पहल का दिखेगा असर

एजेंसी। पटना। बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने आगामी राज्य बजट को नई सरकार की नई पहलों का प्रतिबिंब बताया है, जिसमें जनता के कल्याण और विकास पर मुख्य ध्यान केंद्रित किया जाएगा। उन्होंने सदन की शांतिपूर्ण कार्यवाही का आश्वासन देते हुए बिहारी जनता का आत्मसम्मान बढ़ाने की सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने सोमवार को राज्य बजट पेश होने से पहले जनता के कल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। पत्रकारों से बात करते हुए सिन्हा ने विधानसभा की कार्यवाही शांतिपूर्ण ढंग से संचालित करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि नई सरकार की नई पहल बजट में झलकेंगी। उन्होंने कहा कि पूरी तरह से सकारात्मक ऊर्जा का माहौल रहेगा। मैं सभी से आग्रह करता हूँ कि सदन की कार्यवाही शांतिपूर्ण ढंग से संचालित हो। नई सरकार की नई पहल बजट में दिखाई देंगी। सरकार पूर्ण समर्पण और सेवा भावना के साथ बिहार की जनता के उत्थान और कल्याण के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है, ताकि बिहारी जनता का आत्मसम्मान बढ़े। इसके अलावा,

सिन्हा ने केंद्रीय बजट 2026-27 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के विजन की आधारशिला बताया। सिन्हा ने प्रशंसा की कि हर भारतीय को गर्व है। यह बजट भारत के लोगों, विशेष रूप से युवाओं, महिलाओं, किसानों और गरीबों के उत्थान और कल्याण के लिए समर्पित है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए रखी गई नींव ने अब एक मजबूत इमारत के निर्माण को जन्म दिया है। इससे पहले रविवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में केंद्रीय बजट 2026-27 पेश किया, जो उनका लगातार नौवां बजट है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को केंद्रीय बजट 2026-27 को युवशक्ति से प्रेरित और तीन कुर्तव्य पर आधारित बताते हुए, अगले पांच वर्षों में सात हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर, नए समर्पित माल दुलाई कॉरिडोर और 20 राष्ट्रीय जलमार्गों को चालू करने का प्रस्ताव रखा। केंद्रीय बजट में पर्यावरण के अनुकूल यात्री परिवहन को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ा कदम उठाया गया है, जिसमें प्रमुख शहरी और आर्थिक केंद्रों के बीच सात हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर विकसित करने का प्रस्ताव है।



# लखनऊमें शब-ए-बरात पर यातायात व्यवस्था बदली, 3 फरवरी की शाम से लागू होगा डायवर्जन

लखनऊ(आरएनएस )। चन्द्रदर्शन के अनुसार 03.04 फरवरी 2026 (14 शाबान) को शब—ए—बरात का त्यौहार शिया एवं सुन्नी समुदाय द्वारा श्रद्धा के साथ मनाया जाएगा। त्योहार के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने और यातायात को सुचारु रखने के उद्देश्य से राजधानी में व्यापक ट्रैफिक डायवर्जन लागू किया जाएगा। यह व्यवस्था 03 फरवरी को सायं 5 बजे से कार्यक्रम की समाप्ति तक प्रभावी रहेगी।यातायात पुलिस के अनुसार सीतापुर और मंडियांव की ओर से आने वाले वाहन डालीगंज रेलवे क्रॉसिंग से पक्का पुल की ओर नहीं जा सकेंगे और उन्हें चौराहा नंबर—08, निराला नगर को एवं आईटी चौराहा के रास्ते गंतव्य की ओर भेजा जाएगा। हरदोई रोड की तरफ से आने वाले भारी वाहनों को, रोडवेज बसों को छोड़कर, दुबंगा पेट्रोल पंप तिराहे से बालागंज और चौक की ओर जाने की अनुमति नहीं होगी। ऐसे वाहन बुद्धेश्वर और आईआईएम होते हुए सीतापुर रोड के रास्ते गंतव्य तक पहुंचेंगे।कैसरबाग बस अड्डा से

सीतापुर जाने वाली रोडवेज बसें और भारी वाहन डालीगंज पुल से शाहमीना और पक्का पुल की ओर नहीं जा सकेंगे। इन्हें डालीगंज पुल चौराहे से आईटी चौराहा, निराला नगर और पुरनिया होते हुए निकाला जाएगा। वहीं कैसरबाग बस अड्डा से हरदोई रोड जाने वाली रोडवेज बसें शाहमीना से पक्का पुल की ओर नहीं जाएंगी और मेडिकल कॉलेज, मेडिकल क्रॉस (चरक) तथा कोनेश्वर चौराहे के रास्ते अपने गंतव्य को जाएंगी।हजरतगंज और कैसरबाग की ओर से आने वाला सामान्य यातायात शाहमीना तिराहे से पक्का पुल की ओर प्रतिबंधित रहेगा। ऐसे वाहनों को मेडिकल कॉलेज, चौक से कोनेश्वर या डालीगंज पुल चौराहे से आईटी चौराहा के रास्ते भेजा जाएगा। पक्का पुल खट्टा साइड तिराहे से पक्का पुल चौक की ओर जाने वाला यातायात भी बंद रहेगा और वाहन नया पुल बंधा रोड या डालीगंज बाजार की रास्ते चलेंगे।नीबू पार्क रूमी गेट पुलिस चौकी चौराहे से बड़े इमामबाड़ा और पक्का पुल की

ओर सामान्य यातायात नहीं जा सकेगा। इसके लिए मेडिकल क्रॉस, चौक और नए पुल का मार्ग निर्धारित किया गया है। कोनेश्वर चौराहे से नीबू पार्क की ओर जाने वाला यातायात भी रोका जाएगा और चौक या बालागंज होकर निकाला जाएगा। रकाबगंज पुल से नादान महल रोड और नक्खास की ओर वाहन नहीं जा सकेंगे तथा उन्हें मेडिकल कॉलेज और नाका होकर भेजा जाएगा।राणा प्रताप चौराहे से आगे नए ओवरब्रिज जाने से ऐशबाग की ओर सामान्य यातायात बंद रहेगा। वाहन चारबाग, नक्खा और मवैया होकर चलेंगे। नाका हिण्डोला चौराहे से बड़े और चार पहिया वाहनों को ऐशबाग पुल की ओर नहीं जाने दिया जाएगा और उन्हें रकाबगंज पुल या नक्खा—मवैया मार्ग अपनाना होगा।दो पहिया वाहनों को मोतीनगर और राजेन्द्र नगर चौराहे से आगे ऐशबाग ईदगाह की ओर जाने की अनुमति नहीं होगी। ऐसे वाहन ऐशबाग स्टेशन रोड और भूसांमंडी होकर जाएंगे। हैदरगंज तिराहा लाल माधव से ऐशबाग

ईदगाह और ऐशबाग पुल की ओर दो पहिया वाहनों के अलावा किसी भी चार पहिया या भारी वाहन को प्रवेश नहीं मिलेगा और यातायात को बुलाकी अड्डा व मिल एरिया की ओर मोड़ा जाएगा।स्टेशन रोड और कानपुर रोड से आने वाले भारी वाहनों को मवैया तिराहे से एवरेडी और मिल एरिया की ओर नहीं जाने दिया जाएगा। ऐसे वाहन चारबाग और आलमबाग होकर चलेंगे। आलमबाग चौराहे से लंगड़ा फाटक की ओर जाने वाले भारी वाहन बाबू जगजीवन राम अकादमी, एवरेडी और मिल एरिया की तरफ नहीं जा सकेंगे और उन्हें बाराबिरवा मार्ग से भेजा जाएगा। शांतिनगर चौराहे से कुडियाघाट की ओर सामान्य यातायात भी प्रतिबंधित रहेगा और वाहन बालागंज चौराहे होकर जाएंगे।यातायात पुलिस ने स्पष्ट किया है कि चिकित्सकीय आपात स्थिति में एम्बुलेंस, स्कूली वाहन, फायर सर्विस और शव वाहनों को आवश्यकता अनुसार प्रतिबंधित मार्गों से भी गुजरने की अनुमति दी जाएगी।

## आलमबाग चंदरनगर व्यापार मंडल का शपथ ग्रहण समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न

लखनऊ(आरएनएस )। आलमबाग चंदरनगर व्यापार मंडल (सम्बद्ध लखनऊ व्यापार मंडल) का शपथ ग्रहण समारोह सोमवार, 2 फरवरी 2026 को चंदरनगर, आलमबाग में गरिमामय और उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में व्यापारी, पदाधिकारी और गणमान्य लोग उपस्थित रहे। समारोह का उद्देश्य नवगठित व्यापार मंडल की कार्यकारिणी को औपचारिक रूप से दायित्व सौंपना और व्यापारिक एकता कसमसरोह के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक सुरेश तिवारी रहे, जबकि विशिष्ट अतिथियों के रूप में लखनऊ व्यापार मंडल के चेयरमैन अनिल वर्मानी, राजेन्द्र कुमार अग्रवाल तथा लखनऊ व्यापार मंडल के अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत मंचासीन अतिथियों और पदाधिकारियों को मान्यार्पण कर, मोमेंटो और अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित करने के साथ हुई।इसके पश्चात लखनऊ व्यापार मंडल अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र द्वारा आलमबाग चंदरनगर व्यापार मंडल की नवगठित कार्यकारिणी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। शपथ ग्रहण करने वालों मेंअध्यक्ष सोमेश मिश्र, वरिष्ठ महामंत्री मोहन खत्री, कोषाध्यक्ष विनोद भाटिया, महामंत्री अभिषेक सड़ाना, वरिष्ठ उपाध्यक्ष जुगुल किशोर भवनानी, अफाक खान, सुनील मालानी, उपाध्यक्ष गगन ग्रोवर, महेन्द्र कन्याल, अनिल अग्रवाल, जयराम खत्री, रजनीश द्विवेदी, कुलदीप बाजपेयी,

हफीज अहमद, संगठन मंत्री सरदार जसवीर सिंह, सतीश अरोड़ा, सुशील अरोड़ा, विधि मंत्री गुलशन मोहला, प्रचार मंत्री मोहम्मद कासिम खान, सचिव अंकुज चौधरी, सुरेन्द्र कुमार लोधी, परितोष सोनकर, मोहम्मद सलीम, मोहम्मद इरशाद, कपिल खत्री, अरमीत सिंह, मोहम्मद साजिद, बालकृष्ण कालाश, राकेश वर्मा तथा कार्यकारिणी सदस्य राजेन्द्र सिंह हुड्डा, लीलाधर, निर्मल कुमार, सुनील चावला, अनिल अरोड़ा, योगेश महाजन, दीपक पाण्डेय, राकेश केसरवानी एवं नदीम सलमानी शामिल रहे।मुख्य अतिथि सुरेश तिवारी ने अपने संबोधन में नवगठित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि व्यापार मंडल केवल व्यापारियों का संगठन नहीं, बल्कि समाज की आर्थिक रीढ़ को मजबूत करने वाला सशक्त मंच है। उन्होंने कहा कि संगठित व्यापारी समाज अपने हितों की रक्षा के साथ—साथ प्रदेश और देश की अर्थव्यवस्था को गति देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।राजेन्द्र कुमार अग्रवाल ने आशा व्यक्त की कि नवगठित टीम आपसी समन्वय, पारदर्शिता और समर्पण के साथ कार्य करेगी तथा व्यापारियों की समस्याओं को संगठित रूप से शासन और प्रशासन तक पहुंचाएगी। उन्होंने पदाधिकारियों से अपने दायित्वों का निर्वहन ईमानदारी और सेवा भावना के साथ करने का आह्वाण किया।लखनऊ व्यापार मंडल अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह आयोजन केवल शपथ ग्रहण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि सामूहिक



विश्वास, एकता और व्यापारिक स्वाभिमान का उत्सव है। उन्होंने कहा कि नई टीम ने जिस जिम्मेदारी को स्वीकार किया है, वह सेवा, समर्पण और संघर्ष की जिम्मेदारी है। उन्होंने व्यापार को समाज की जीवनरेखा बताते हुए कहा कि व्यापार मंडल को व्यापारी हितों की रक्षा, समस्याओं के समाधान और प्रशासन से प्रभावी संवाद की मजबूत कड़ी बनना होगा। उन्होंने बढ़ती लागत, कर संबंधी जटिलताओं और बाजार की चुनौतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि संगठन इन मुद्दों पर व्यापारियों की आवाज बनकर मजबूती से खड़ा रहेगा।अध्यक्ष सोमेश मिश्र ने क्षेत्र के व्यापारियों को आश्वासन देते हुए कहा कि संगठन सदैव व्यापारी हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रहेगा। उन्होंने कहा कि बाजार क्षेत्र से जुड़ी किसी भी समस्या, चाहे वह प्रशासनिक हो या सुविधाओं से संबंधित, उसे प्राथमिकता के आधार पर संबंदि

त अधिकारियों तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने साफ—सफाई, सुरक्षा, पार्किंग और अन्य मूलभूत सुविधाओं के लिए निरंतर प्रयास करने की बात कही तथा छोटे और मध्यम व्यापारियों की समस्याओं पर विशेष ध्यान देने का भरोसा दिलाया।कार्यक्रम के दौरान यह भी जानकारी दी गई कि ब्रजेश पाठक किसी आवश्यक कार्य से बिंदकी जाना पड़ा, जिसके कारण वे कार्यक्रम में अधिक समय तक उपस्थित नहीं रह सके। उन्होंने सुबह 11 बजे कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर नवगठित टीम को शुभकामनाएं दी थीं, जिसे उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से भी साझा किया।समारोह का समापन मजबूती के संकल्प के साथ हुआ। कार्यक्रम में मौजूद व्यापारियों ने संगठन को हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया।

## जोन-6 के दो वार्डों का नगर आयुक्तने किया व्यापक निरीक्षण, स्वच्छता और व्यवस्थाओं में लापरवाही पर सख्त रुख

लखनऊ(आरएनएस )।नगर निगम के नगर आयुक्त गौरव कुमार ने सोमवार को जोन—6 अंतर्गत दो वार्डों का विस्तृत निरीक्षण कर क्षेत्रीय स्वच्छता व्यवस्था, डोर—टू—डोर कूड़ा संग्रहण, पार्कों के रखरखाव, सार्वजनिक शौचालयों की स्थिति तथा खाली प्लांटों में जमा कूड़े के ढेरों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि स्वच्छता और नागरिक सुविधाओं से जुड़े कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी संबंधित अधिकारी अपनी जिम्मेदारी पूरी निष्ठा से निभाएं।निरीक्षण के समय नगर आयुक्त के साथ जोनल अधिाकारी अमरजीत यादव, जोनल सैनेटेरी ऑफिसर राजेश यादव तथा अधिासी अभियंता जोन—6 अशोक यादव मौजूद रहे। इस अवसर पर उन्होंने आगामी स्वच्छ सर्वेक्षण 2025—26 की तैयारीयों की भी समीक्षा की और स्वच्छता कार्यों को और अधिक प्रभावी, सतत और परिणामोन्मुख बनाने पर विशेष जोर दिया। नगर आयुक्त ने

कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण केवल रैंकिंग तक सीमित नहीं है, बल्कि यह शहरवासियों के जीवन स्तर और स्वास्थ्य से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है।निरीक्षण की शुरुआत आचार्य नरेंद्र देव वार्ड से हुई, जहां नगर आयुक्त ने नेपियर कॉलोनी, चौपटियां और नवजगज क्षेत्रों का भ्रमण किया। उन्होंने डोर—टू—डोर कूड़ा कलेक्शन की वास्तविक स्थिति जानने के लिए स्थानीय नागरिकों से सीधे संवाद कर फीडबैक लिया। नागरिकों की बातों को गंभीरता से सुनते हुए नगर आयुक्त ने कहा कि स्वच्छता व्यवस्था में जनता की संतुष्टि सर्वोपरि है और यदि कहीं भी शिकायत मिलती है तो उसका त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।इसके पश्चात सराय माली जगह स्थित सार्वजनिक शौचालय का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान शौचालय में पाई गई टूट—फूट और जर्जर स्थिति को देखते हुए नगर आयुक्त ने अधिासी अभियंता को तत्काल मरम्मत कार्य कराने के निर्देश दिए, ताकि आम नागरिकों को स्वच्छ,

सुरक्षित और सुविधाजनक शौचालय उपलब्ध हो सके।इसके बाद नगर आयुक्त ने मल्लाही टोला प्रथम वार्ड का निरीक्षण किया। यहां भी उन्होंने डोर—टू—डोर कूड़ा संग्रहण व्यवस्था को लेकर स्थानीय निवासियों से फीडबैक लिया। इस दौरान क्षेत्र में गठित आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं और सुझाव सुने। नगर आयुक्त ने मनोहर कॉलोनी, जरनैलगंज और आशापुरम क्षेत्रों का भ्रमण करते हुए पार्कों की स्थिति देखी और पार्कों की बाउंड्री वॉल का मरम्मत कराने के निर्देश दिए, ताकि हरित क्षेत्रों का संरक्षण किया जा सके।निरीक्षण के दौरान खाली प्लांटों में जमा कूड़े के ढेरों को लेकर नगर आयुक्त ने गहरी नाराजगी व्यक्त की और डीप क्लीनिंग करारक इन स्थलों को पूरी तरह साफ कराने के निर्देश दिए। आशापुरम क्षेत्र में स्थित नाले की सफाई आवश्यक स्थानों पर नाले को कवर कराने तथा नाले के ऊपर किए गए अतिक्रमण को हटाने के लिए

जोनल अधिकारी को सख्त निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि नालों की नियमित सफाई और अतिक्रमण मुक्त व्यवस्था से जलभराव और भीमारियों की समस्या पर प्रभावी नियंत्रण संभव है।इसी क्रम में नगर आयुक्त ने शब—ए—बारात पर्व की तैयारियों का जायजा लेने के लिए मेहंदी घाट का भी निरीक्षण किया। उन्होंने घाट की साफ—सफाई सुनिश्चित कराने के साथ—साथ जोन के सभी कब्रिस्तानों में नियमित और विशेष सफाई कराने के निर्देश दिए। नगर आयुक्त ने कहा कि धार्मिक और सामाजिक अवसरों पर स्वच्छता एवं व्यवस्थाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी, ताकि नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और शहर की स्वच्छ छवि बनी रहे।नगर आयुक्त के इस व्यापक निरीक्षण से स्पष्ट है कि नगर निगम प्रशासन स्वच्छता, नागरिक सुविधाओं और आगामी स्वच्छ सर्वेक्षण को लेकर पूरी तरह गंभीर है और जमीनी स्तर पर व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में लगातार सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है।

# संगम पर स्नान, दान और सेवा जीवन को पवित्र करने वाला- स्वामी विनयानन्द गिरी

प्रयागराज। माघी पूर्णिमा के पावन स्नान पर्व के अवसर पर पंचायती श्री निरंजनी अखाड़ा श्री हरि धाम बाबा सेवा समिति की ओर से श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस भव्य आयोजन का नेतृत्व श्री हरि धाम के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी विनयानंद गिरि जी महाराज ने किया। संगम क्षेत्र में आयोजित इस भंडारे में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं, कल्पवासियों, साधु—संतों एवं आम जनमानस ने सुबह नौ बजे से शाम दस बजे तक निरंतर प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया।महामंडलेश्वर स्वामी विनयानंद गिरि जी महाराज ने माघी पूर्णिमा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि माघ मास में संगम पर किया गया स्नान, दान और सेवा जीवन को पवित्र करने वाला होता है। माघी पूर्णिमा का स्नान विशेष फलदायी माना गया

है। इस दिन श्रद्धालु अपने समस्त पापों से मुक्त होकर मोक्ष की ओर अग्रसर होते हैं। उन्होंने कहा कि भंडारा सनातन परंपरा का अभिन्न अंग है, जिसमें सेवा भावना के साथ सभी को एक समान सम्मान दिया जाता है।स्वामी विनयानंद गिरि ने बताया कि भंडारे का मुख्य उद्देश्य भूखे को भोजन, प्यासे को जल और जरूरतमंद को सहारा देना है। उन्होंने कहा कि सेवा और दान से बड़ा कोई धर्म नहीं होता। इसी भावना के साथ श्री हरि धाम बाबा सेवा समिति हर वर्ष माघ मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सेवा में निरंतर जुटी रहती है। उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील की कि माघ मेले के दौरान संयम, स्वच्छता और अनुशासन बनाए रखें तथा धर्म के मार्ग पर चलें।भंडारे में श्रद्धालुओं के लिए उत्तम एवं सात्विक भोजन की व्यवस्था की गई थी। और सुबह नौ बजे से रात दस बजे तक निरंतर भंडारा चलता रहा।समिति के स्वयंसेवकों ने पूरी निष्ठा और

श्रद्धा के साथ सेवा कार्य किया। महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों के लिए विशेष ध्यान रखा गया, जिससे

स्वामी विनयानंद गिरि जी महाराज ने सभी श्रद्धालुओं के सुख—समृद्धि और मंगलमय जीवन की कामना



सभी को सुविधा पूर्वक प्रसाद प्राप्त हो सके। आयोजन स्थल पर स्वच्छता, पानी, बैठने और सुरक्षा की भी समुचित व्यवस्था की गई थी।कार्यक्रम के दौरान वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना रहा। “हर—हर महादेव” और “गंगा मैया की जय” के जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। अंत में महामंडलेश्वर

करते हुए कहा कि सेवा ही सच्ची साधना है और इसी से समाज का कल्याण संभव है। इस आयोजन में मंगल पटेल, योगेश वर्मा, पन्ना लाल कुशवाहा, अमृत लाल शर्मा, रविंद्र कुशवाहा, कृष्ण अवतार पटेल, आशा शर्मा, रवि शंकर शर्मा, विमल विश्वकर्मा, ननकू लाल विश्वकर्मा समस्त सदस्य सहयोग में रहे।

# केंद्र सरकार में केवल दो लोगों की चलती- अलंकार अग्निहोत्री

प्रयागराज। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के समर्थन में इस्तीफा देकर पूरे देश में चर्चा में आए बरेली के पूर्व सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री प्रयागराज पहुंचे हैं।प्रयागराज में अलंकार अग्निहोत्री अपने निलंबन की कार्रवाई को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट जाने की तैयारी में हैं। इसी सिलसिले में वह प्रयागराज में अपने विधि सलाहकारों से मिले। उनका कहना है कि वह निलंबन को चौलेंज करेंगे। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति अपना नर्म रुख दिखाया, लेकिन केंद्र सरकार पर जमकर अपनी भड़ास निकाली। अलंकार अग्निहोत्री ने कहा कि केंद्र सरकार एक कम्पनी की तरह चल रही है। इसमें सिर्फ दो लोगों की ही चलती हैं, एक मोदी की दूसरे अमित शाह की उन्होंने कहा कि एससी एसटी एक्ट में संशोधन कराना ही उनकी मुख्य लड़ाई है। इसके लिए दिल्ली से बड़ा आंदोलन शुरू होगा।अलंकार अग्निहोत्री ने कहा कि देश इस समय बहुत अस्थिरता की स्थिति में गुजर रहा है। केंद्र सरकार और राज्य सरकार का जो गणतंत्र का कॉन्सेप्ट होता है, जो सिद्धांत होता है, जो रिपब्लिक, वह बिस्कुल इस समय छिन्न—भिन्न हो चुका है। केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के संबंध अच्छे नहीं हैं। चाहे किसी भी प्रदेश में देखें, कहीं न कहीं इतना हस्तक्षेप है। जो केंद्र सरकार के पास तंत्र है, उसे मैं आजकल श्वेस्ट इंडिया कंपनीश बोलता हूँ—काले अंग्रेजों की कंपनी, जो दो लोगों द्वारा चलाई जा रही है मोदी और अमित शाह के द्वारा सीईओ और एमडी की हैसियत से।अलंकार अग्निहोत्री ने कहा कि इस सरकार के पास तीन केंद्रीय तंत्र हैं, जिनसे ये एमपी, एमएलए और राज्यों के सीएम को कंट्रोल करते हैं, प्रवर्तन निदेशालय, केंद्रीय जांच ब्यूरो, और आयकर विभाग जैसा कि आपने देखा, यूजीसी रेगुलेशन 2026, जो 13 जनवरी 2026 को बजट में प्रकाशित हुआ, इससे पूरे देश में उबाल आ गया।हम लोग प्रशासनिक हैं और किसान यूनियन, ओबीसी समाज, क्षत्रिय कर्णी सेना, ब्राह्मण समाज, सर्वण सेना आदि से जुड़े हैं। जब हमने इन्हें बताया कि ये सिविल वॉर सिचुएशन क्रिएट कर देगी, तो बरेली में पैराडॉक्स प्रदर्शन हुआ। उसके बाद देशभर में धरने बड़े। लेकिन गोदी मीडिया (मेनस्ट्रीम मीडिया) ने इग्नोर किया। इसलिए हमने रिजाइन किया—तब मीडिया को मजबूरी में कवर करना पड़ा।

## बक्शी का तालाब में लोहे की सरिया चोरी का खुलासा, चार शातिर गिरफ्तार, 23 बंडल सरिया व ट्रक बरामद

लखनऊ(आरएनएस )। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ की क्राइम ब्रांच और थाना बक्शी का तालाब पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में लोहे की सरिया चोरी की बड़ी घटना का सफल अनावरण किया गया है। पुलिस ने इस मामले में चार अभियुक्तों को गिरफ्तार करते हुए चोरी की गई 23 बंडल लोहे की सरिया और घटना में प्रयुक्त ट्रक बरामद किया है। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में से तीन के विरुद्ध विभिन्न जनपदों में चोरी, गैंगस्टर एक्ट, आर्म्स एक्ट समेत कई गंभीर मामलों में पहल से ही अभियोग दर्ज है।पुलिस के अनुसार यह घटना दिनांक 25 जनवरी 2026 की है, जब थाना बक्शी का तालाब क्षेत्र अंतर्गत भैसाऊ क्रॉसिंग के पास स्थित शिवरतन ट्रेडर्स के बाहर से अज्ञात चेहरों द्वारा लगभग 40 कुंतल लोहे की सरिया चोरी कर ली गई थी। इस संज्ञ में दिनांक 28 जनवरी 2026 को दुकान संचालक रामसनेही

यादव, निवासी ग्राम झिरपुर, तहसील बक्शी का तालाब ने थाना बक्शी का तालाब में तहरीर दी थी। तहरीर के आधार पर मुकदमा संख्या 368/2026 धारा 303(2) बीएनएस के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया, जिसकी विवेचना उपनिरीक्षक अरुण कुमार द्वारा की जा रही थी।पुलिस ने बताया कि दिनांक 02 फरवरी 2026 को गश्त हुए विवेचनात्मक कार्यवाही के दौरान मुखबिर खास से सूचना प्राप्त हुई कि चोरी की गई सरिया को एक ट्रक में लादकर ले जाया जा रहा है। सूचना के आधार पर क्राइम ब्रांच और बीकेटी पुलिस टीम ने इंदौराबाद तहसील जाने वाली सड़ित लेन, किसान पथ कट पर घेराबंदी की और ट्रक संख्या रूी 32 एफएन 2424 को रोक लिया। ट्रक की तलाशी लेने पर उसमें सवार चालक सख्त चार व्यक्तियों के कब्जे से 23 बंडल लोहे की सरिया बरामद की गई।पूछताछ में अभियुक्तों ने सरिया चोरी की घटना में शामिल होना स्वीकार किया। अभियुक्तों को मुकदमा संख्या 368/2026 से

अवगत कराते हुए किसान पथ कट, इंदौराबाग सर्विस लेन से रात करीब एक बजे गिरफ्तार किया गया। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में धारा 317(2) बीएनएस की बढेती की गई है। पुलिस के अनुसार अभियुक्तों द्वारा तेजी से धन अर्जित कर उसे खर्च करने की नीयत से चोरी की घटना को अंजाम दिया गया था।गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान मेवालाल यादव, अखिलेश कुमार, दीपक यादव और जयदीप यादव के रूप में हुई है। सभी अभियुक्त जनपद उन्नाव के थाना सोहरामऊ क्षेत्र के शेखपुर गांव के निवासी हैं और मजदूरी का कार्य करते हैं। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार मेवालाल यादव, दीपक यादव और अखिलेश कुमार के विरुद्ध लखनऊ, उन्नाव, रायबरेली और बाराबंकी सहित कई जनपदों में चोरी, गैंगस्टर एक्ट, आर्म्स एक्ट तथा अन्य गंभीर धाराओं में अनेक अभियोग दर्ज हैं। जयदीप यादव का भी पूर्व में चोरी और गैंगस्टर एक्ट से संबंधित आपराधि

क इतिहास रहा है। अन्य अभियुक्तों के आपराधिक इतिहास की जांच की



जा रही है।पुलिस ने बरामद 23 बंडल लोहे की सरिया और चोरी की घटना में प्रयुक्त ट्रक को कब्जे में लेकर अग्रिम विधिक कार्यवाही शुरू कर दी है। इस पूरे अनावरण में क्राइम ब्रांच लखनऊ और थाना बक्शी का तालाब पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

## केंद्रीय बजट 2026 समावेशी विकास और विकसित भारत की दिशा में मजबूत आधारशिलाए.के. शर्मा

लखनऊ(आरएनएस )।नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने केंद्रीय बजटदृ2026 पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे समावेशी विकास, सामाजिक न्याय और विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने वाला दूरदर्शी बजट बताया है। उन्होंने कहा कि यह बजट समाज के सभी वर्गों,कृषीरभ, मध्यम वर्ग, युवा, व्यापारी तथा शहरी और ग्रामीण आबादीकृकों साथ लेकर आगे बढ़ने वाला है, जिसमें आर्थिक सशक्तिकरण और संतुलित विकास को विशेष प्राथमिकता दी गई है।ए.के. शर्मा ने कहा कि प्रानमंत्रि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आत्मनिर्भर भारत से विकसित भारत की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहा है और केंद्रीय बजटदृ 2026 उसी विजन का सशक्त प्रतिबिंब है। बजट में किए गए प्रावधान न केवल वर्तमान आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हैं, बल्कि दीर्घकालीन विकास की स्पष्ट रणनीति को भी दर्शाते

हैं। उन्होंने जनहितकारी बजट के लिए प्रधानमंत्री से भेंट कर आभार व्यक्त किया तथा वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी से भी मुलाकात कर उत्तर प्रदेश को विशेष प्राथमिकता दिए जाने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े प्रावधानों पर प्रतिक्रिया देते हुए मंत्री ने कहा कि सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में बजट में किए गए प्रावधान अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। सोलर ग्लास के प्रमुख घटक सोडियम एंटीमोनाइट को कस्टम ज़रूटी से छूट दिए जाने से पीएम सूच्य घर योजना के क्रियान्वयन में तेजी आएगी। इससे स्वच्छ और हरित ऊर्जा को प्रोत्साहन मिलेगा तथा देश नेट—जीरो लक्ष्य की प्राप्ति की दिशा में और अधिक तेजी से आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि यह पहल न केवल पर्यावरण संरक्षण में सहायक होगी, बल्कि ऊर्जा आत्मनिर्भरता को भी मजबूत करेगी।नगर विकास के क्षेत्र में बजट प्रावधानों को ऐतिहासिक

बताते हुए ए.के. शर्मा ने कहा कि म्युनिसिपल बॉन्ड को बढ़ावा देने से शहरी निकायों को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिलेगा। इससे उनकी वित्तीय स्थिति सुदृढ़ होगी, विकास परियोजनाओं में निजी और संस्थागत निवेश बढ़ेगा तथा शहरों में आधारभूत सुविधाओं का व्यापक विस्तार संभव हो सकेगा। उन्होंने कहा कि टियर—2 और टियर—3 श्रेणी के शहरों के लिए धन आवंटन में वृद्धि से उत्तर प्रदेश के लगभग 45 शहरों में बुनियादी ढांचे के विकास को नई गति मिलेगी और उमरते शहरों को वैश्विक मानकों के अनुरूप विकसित करने के प्रयास और अधिक सशक्त होंगे।मंत्री ने यह भी कहा कि केंद्रीय बजट के प्रावधानों से प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 को नई मजबूती मिलेगी, जिससे प्रत्येक नागरिक को पक्के आवास का सपना साकार करने का अवसर प्राप्त होगा। इससे शहरी गरीब और मध्यम वर्ग के जीवन स्तर में सुध

पार होगा और सामाजिक सुरक्षा को बल मिलेगा।ए.के. शर्मा ने कहा कि केंद्रीय बजटदृ2026 में उत्तर प्रदेश के सर्वांगीण विकास को विशेष महत्व दिया गया है। इससे औद्योगिक निवेश को बढ़ावा मिलेगा, बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन होगा और शहरी—ग्रामीण क्षेत्रों के बीच संतुलित विकास को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह बजट उत्तर प्रदेश को देश के विकास इस्तर के रूप में और अधिक सशक्त बनाएगा।अंत में उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजटदृ2026 समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को विकसित भारत की संकल्पना से जोड़ने वाला बजट है। यह समावेशी विकास, आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगा और आने वाले वर्षों में देश के आर्थिक एवं सामाजिक परिदृश्य को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा।





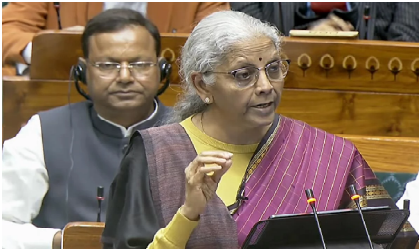


**युवा बजट 2026-27 के आर्थिक मायने विशिष्ट, सियासी  
प्रभाववश विकसित भारत 2047 के सपने पूरे होंगे**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बजट 2026-27 को 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं का प्रतीक बताया। उन्होंने इसे सुधारों को महजबूत करने और विकसित भारत के लिए स्पष्ट रोडमैप करार दिया। मोदी ने कहा कि यह बजट नारी शक्ति का सशक्त प्रतिबिंब है और अपार अवसर प्रदान करता है। भारत सरकार का 2026-27 का केंद्रीय बजट विकास, रोजगार सृजन और राजकोषीय अनुशासन पर केंद्रित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 1 फरवरी 2026, दिन रविवार को इसे संसद की पटल पर प्रस्तुत करके एक नया रिकॉर्ड कायम किया।

लिहाजा इसके आर्थिक मायने और राजनीतिक प्रभाव महत्वपूर्ण है। इसपर बहस तेज हो गई, जो कई कारणों से अभिप्रेरित है। जहां सत्ता पक्ष ने इसे युवा शक्ति का प्रतीक बजट ठहराया, वहीं विपक्ष ने इसे अदृश्य बजट करार देते हुए जमकर आलोचना की। जहां तक कुल बजट आकार की बात है तो यह 53.5 लाख करोड़ रुपये है, जिसमें पूंजीगत व्यय 12.2 लाख करोड़ रुपये तक बढ़ाया गया। भले ही राजकोषीय घाटा जीडीपी (GDP) का 4.3: रखा

गया, जो पिछले साल के 4.4: की तुलना में कुछ कम है। वहीं, जहां तक कर सुधार की



बात है तो आयकर दरों में कोई बदलाव नहीं आया। जबकि नया आयकर अधिनियम 2026 अप्रैल से लागू होगा। वहीं, एफ एंड ओ (९-६) पर

एसटीटी (ज्ज) बढ़ाकर 0.05-0.15: किया गया, विदेशी पर्यटनधरिक्षा हेतु टीसीएस (ज्ज) 2: किया गया। जहां तक बजट में क्षेत्रीय प्रावधान किये जाने की बात है त त र रेंजगार-एमएसएम के लिए 10,000 करोड़ का वृद्धि कोष प्रस्तावित है, जबकि क्रेडिट गारंटी दोगुनी की गई है। वहीं, बुनियादी ढांचा हेतु 7 वीं ईस्टीमेट रेल कॉरिडोर का विकास, शहरी विकास के

लिए 5,000 करोड़ प्रति वर्ष का प्रस्ताव और स्वास्थ्य-कृषि क्षेत्र में 17 कैंसर दवाएं सस्ती किये जाने की घोषणा, बायोफार्मा को 10,000 करोड़ दिए जाने का प्रस्ताव और मखाना बोर्ड मजबूत किये जाने का प्रस्ताव शामिल है। वहीं, अन्य महत्वपूर्ण बजट घोषणाओं में नवीकरणीय ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक्स और निर्यात प्रोत्साहन पर फोकस प्रदान करते हुए सुधारों का शरिफॉर्म एक्सप्रेसर भी रखा गया। लिहाजा यह विकसित भारत 2047 का रोजमैप है। इन बजट प्रस्तावों के आर्थिक मायने दूरगामी महत्व वाले हैं, क्योंकि बजट में पूंजीगत व्यय

(कैपेक्स) को 12.2 लाख करोड़ रुपये तक बढ़ाया गया है, जो बुनियादी ढांचे, विनिर्माण और निवेश ऊर्जा को बढ़ाया देगा। वहीं, राजकोषीय घाटा 4.3 जीजीडीपी (GDP) पर लक्षित है जबकि ऋण—जीडीपी अनुपात 55.6: तक सुधरेगा, जो वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करेगा। वहीं सरकार राहत जैसे टीसीएस (TSE) टैक्स सीमा बढ़ाना, एमएसएमई (MSME) क्रेडिट गारंटी डोगन करना और स्टार्टअप फंड (Startup Fund) का ज्यूमर (बढ़ेनउमत) खर्च व निवेश को प्रोत्साहित करेगा। जहाँ क्रेडिट बजट प्रस्तावों के राजनीतिक प्रभाव की बात है तो निश्चय ही

सरकार ने रोजगार (जैसे चमड़ा क्षेत्र में 22 लाख नौकरियाँ) किसान योजनाएँ (मखाना बोई और स्वास्थ्य (10,000 मेडिकल सीटें) पर फोकस कर एनडीए (छद्म) सहयोगियों व ग्रामीण नेतादाताओं को मजबूत संदेश दे दिया है। जबकि विपक्ष ने इसे शराजीतिक बजट करार दिया है। खासकर राज्य-विशिष्ट घोषणाओं पर, लेकिन विकास लक्ष्य (विकासोत्तर भारत 2047) बीजेपी की छवि को मजबूत करेंगे। कुल मिलाकर, यह गठबंधन स्थिरता और 2029 के आम चुनाव सहित 2026, 27 और 28 की विधानसभा चुनाव की

तेयारी को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। [लिहाजा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बजट 2016-27 को 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं का प्रतीक बताया। उन्होंने इसे सुधारों को मजबूत करने और विकसित भारत की लिए स्पष्ट रोडमैप करार दिया। मोदी ने कहा कि यह बजट नारी शक्ति का सशक्त प्रतिबिम्ब है और अपार अवसर प्रदान करता है। युवाओं के लिए नया आयाम तथा हर घर लक्ष्मी का आमजन सुनिश्चित करने वाला बटुआ। विकास फोकस करते हुए उन्होंने इसे आत्मनिर्भरता, रोजगार सृजन

## **सम्पादकीय**

---

## **कांग्रेस की समस्या**

बचाओ या वापस लाओच जैसे नारे लोगों का ध्यान खींचने के लिहाज से हमेशा अपर्याप्त साबित हुए हैं। कांग्रेस की समस्या यह है कि हाल-फालहाल में वह भविष्य का कोई सपना या लोक-लुभावन कार्यक्रम पेश करने में नाकाम रही है।

मजदूर अधिकार के सवाल पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन कांग्रेस की सही दिशा में पहल है, बशर्ते यह मुद्दा उसकी क्षणिक चिंता बन कर ना रह जाए। कामकाजी वर्ग की बढ़ती मुश्किलें और उसके घटते अधिकार आज असल मुद्दे हैं, जिनकी मुख्यधारा राजनीति में मजबूत वकालत की जरूरत है। मनरेगा खत्म कर उसकी जगह जी राम जी कानून लागू करने के नरेंद्र मोदी सरकार के फैसले के बाद कांग्रेस ने इस पर ध्यान दिया है। चूंकि मनरेगा को कांग्रेस नेतृत्व अपनी बड़ी उपलब्धि मानता था, इसलिए उस पर हुए प्रहार से वह भी चिंतित हुआ। तब पार्टी ने श्मनरेगा बचाओ आंदोलन शुरू करने का फैसला किया। अब पार्टी उसे मजदूर अधिकार के बड़े दायरे से जोड़ने का संकेत दे रही है।

इस मसले पर पार्टी समग्र सोच विकसित कर सके और उसके आधार पर संगठन एवं संघर्ष की दीर्घकालिक योजना बनाए, तो उससे कांग्रेस को आज के दौर में एक खास पहचान मिल सकती है। मगर पार्टी नेतृत्व की मुश्किल यह है कि वह संयम के साथ किसी एक मुद्दे पर नहीं टिकता। और जो भी मुद्दा वह उठाता है, उसके पीछे मकसद अपनी पूर्व सरकारों के रिकॉर्ड को मोदी सरकार से बेहतर दिखाने तक सीमित रह जाता है। राफेल से लेकर ए-2 (यानी दो घरानों की मोनोपॉली) पर आक्रामक रुख अपनाने के बाद विपक्ष के नेता राहुल गांधी जातीय जनगणना एवं 1990 के दशक के मंडल-कालीन विमर्श में जा सिमटे। उसी क्रम में रसविधान बचाओ का झंडा उन्होंने उठाया। फिर श्वोट चोरीच उनका पसंदीदा मसला बना। अब मनरेगा की वापसी उनका प्रिय विषय बना है। जबकि समझने की बात यह है कि श्वचाओ या श्वासपस लाओच जैसे नारे लोगों का ध्यान खींचने के लिहाज से हमेशा अपर्याप्त साबित हुए हैं। कांग्रेस की समस्या यह है कि हाल के दशकों में वह भविष्य का कोई सपना या लोक-लुभावन कार्यक्रम पेश करने में नाकाम रही है। ऐसे में आम जन को उसका एजेंडा नकारात्मक मालूम पड़ता है। पार्टी के मजदूर अधिकार सम्मेलन को इसी पृष्ठभूमि में देखा जाएगा। सवाल यह है कि क्या यहां से कांग्रेस कोई संकारात्मक सोच देश के सामने रख पाएगी

## चीन के साथ भारत का रिश्ता नफरत और जरूरत का

नफरत और प्यार का रिश्ता बहुत सुना गया होगा लेकिन चीन के साथ भारत का रिश्ता नफरत और जरूरत का है। चीन से नफरत भी है और उसकी जरूरत भी है। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने राहुल गांधी के चीन के राजदूत से मिलने की घटना को आसमान टूट पड़ने जैसी घटना माना था। उसके लिए पूरी कांग्रेस पार्टी को देशद्रोही ठहराया गया। कांग्रेस पार्टी और चीन की कम्युनिस्ट पार्टी यानी सीपीसी के साथ एक एमओयू साइन हुआ था, जिसे लेकर भाजपा ने बड़ा नैरेटिव खड़ा किया। लेकिन अब खुद भाजपा नेता चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के प्रतिनिधिमंडल से मिले हैं। भाजपा के विदेश प्रकोष्ठ के अध्यक्ष विजय चौधरीवाला ने यह मुलाकात तय कराई और पार्टी मुख्यालय में महासचिव अरुण सिंह के साथ दूसरे नेता सीपीसी के प्रतिनिधिमंडल से मिले।

भाजपा के नेता यह कह कर फेस सेविंग कर रहे हैं कि चीन के डेलिगेशन से भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नन्दा या कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन नहीं मिले या पार्टी के दोनों सर्वोच्च नेता नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने मुलाकात नहीं की, जबकि कांग्रेस में खुद राहुल गांधी मिले थे। लेकिन यह बचाव का तर्क नहीं हो सकता है। जैसे ही भाजपा नेताओं से सीपीसी डिलेगेशन के मिलने की तस्वीरें सामने आईं वैसे ही सन्नाटा खींच गया। सोशल मीडिया में भाजपा का पूरा इकोसिस्टम खामोश हो गया। इस बीच दो चार लोगों ने हिम्मत करके सवाल उठाया और दबी जुबान में कहा कि यह अच्छा नहीं हुआ। भाजपा नेताओं से मुलाकात के बाद सीपीसी का डेलिगेशन आरएसएस कार्यालय में संघ के नंबर दो पदाधिकारी दत्तात्रेय होसबाले से मिला। हालांकि उसकी फोटो नहीं जारी की गई। बाद में भारत की तिनों कम्युनिस्ट पार्टीयों से सीपीसी के प्रतिनिधिमंडल के मिलने की खबर भी आई।

अब सवाल है कि जिस समय चीन अरुणाचल प्रदेश में जन्मे भारतीय मूल के लोगों को अपने हवाईअड्डों पर रोक कर पासपोर्ट अवैध बता रहा है या अरुणाचल प्रदेश को भारत का अभिन्न अंग बताने वाले यूट्यूबर्स को रोक कर प्रताड़ित कर रहा है, शक्सगा घाटी में निर्माण कार्य कर रहा है और उसे चीन का हिस्सा बता रहा है उसके प्रतिनिधिमंडल के साथ भाजपा की दोस्ती दिखाने का क्या मतलब है? सरकारी स्तर पर दोनों देशों के बीच संबंध। सुघर गए हैं। मोदी और शाह ने व्यापार की खातिर गलवान घाटी में शहीद हुए 20 जवानों का घाव भुला दिए हैं। प्रधानमंत्री मोदी की बहुपक्षीय मंचों पर भी जिनपिंग से मुलाकात हुई है तो भारत के रक्षा और विदेश मंत्री दोनों ने चीन का दौरा किया है। लेकिन पार्टी दू पार्टी यानी भाजपा और सीपीसी के नेताओं की मुलाकात या संघ और सीपीसी की मुलाकात का क्या मतलब है? कहा जा रहा है कि एक दूसरे की कार्यप्रणाली को समझने की कोशिश इस मुलाकात का मकसद थी।

सही मायने में देखा जाए तो यूजीसी नियमों पर मचे घमासान या यूं कहें कि ताजा विवाद ने दुनिया के सबसे प्राचीन और सबसे विशाल लोकतांत्रिक देश भारत को एक बड़ा मौका दे दिया है और हम अगर इस बार चूक गए तो फिर आने वाले कई दशकों तक यह विवाद देश और समाज की शांति को भंग करता रहेगा। सुप्रीम कोर्ट ने यूजीसी द्वारा बनाए गए नए नियमों पर फिलहाल रोक तो लगा दिया है लेकिन इसके बावजूद यह विवाद अभी थमने का नाम नहीं ले रहा है। पहले यूजीसी द्वारा बनाए गए नियमों के खिलाफ अगड़ी जातियों के लोग सड़कों पर थे और अब इसके समर्थन में एससी, एसटी और ओबीसी समुदाय के लोग सड़कों पर हैं। विवाद चाहे किसी भी मुद्दे पर हो, यह तनाव लाता है और समाज की शांति को भंग करता है। इसलिए विवाद को टालने की बजाय हमेशा स्थाई समाधान को तलाशने के लिए काम करना चाहिए। सही मायने में देखा जाए तो यूजीसी नियमों पर मचे घमासान या यूं कहें कि

ताजा विवाद ने दुनिया के सबसे प्राचीन और सबसे विशाल लोकतांत्रिक देश भारत को एक बड़ा मौका दे दिया है और हम अगर इस बार चूक गए तो फिर आने वाले कई दशकों तक यह विवाद देश और समाज की शांति को भंग करता रहेगा। समाज भाषा में कहें तो हमारे देश के संविधान ने भारत में रहने वाले सभी लोगों को समानता का अधिकार दिया है, चाहे वो किसी भी जाति, धर्म या संप्रदाय से जुड़े हुए हों। भारतीय न्याय व्यवस्था का मूल सिद्धांत तो यही रहा है कि 'इससे दोषी भले छूट जाए' लेकिन एक भी निर्दोष को सजा नहीं मिलनी चाहिए। यह सिद्धांत हमें स्पष्ट तौर पर बताता है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था और न्याय प्रणाली पर पूरे समाज के भरोसे को बरकरार रखने के लिए यह सबसे अधिक जरूरी है कि किसी भी निर्दोष को किसी भी दोषी से वर्ष, महीने, दिन और घंटे तो छोड़िए, एक सेकंड के लिए भी प्रताड़ित नहीं किया



जाना चाहिए। इस कसौटी पर रखकर जब यूजीसी के नियमों को तौला जाता है तो यह साफ-साफ नजर आता है कि यूजीसी ने अपने नियम के जरिए भारत के लोकतांत्रिक और न्यायिक व्यवस्था के मूल सिद्धांत को ही कुचलने की तैयारी कर ली थी। कई लोग यह तर्क भी देते हुए नजर आए कि दुरुपयोग तो किसी भी कानून का हो सकता है। कुछ लोगों ने कई अन्य कानूनों के दुरुपयोग का उदाहरण दिया तो कुछ लोगों ने हजार वर्षों के शोषण का जिक्र करते हुए इसे सही



ठहराया। हालांकि भारत के लोगों के लिए यह जानना बहुत जरूरी है कि यह मामला सिर्फ अगड़बड़नाम पिछड़ा भर का नहीं रह गया है और इसे रहना भी नहीं चाहिए। आजादी के 75 वर्षों बाद अब यह सोचने का समय आ गया है कि क्या हमारी व्यवस्था कानून का पालन करने वाले निर्दोष लोगों के साथ न्याय कर पा रही है। यह आपको अजीब लगेगा लेकिन सही मायनों में अब हमें इसे राष्ट्रीय मुद्दा बनाना चाहिए कि आखिर बिना किसी सजा के लोगों को दिन, महीने



साल ही नहीं दशकों तक जेल की सलाखों के पीछे रखने के लिए जिम्मेदार कौन है? महिलाओं की सुरक्षा के लिए बनाए गए कानून, दहेज, महिला उत्पीड़न सहित उन तमाम कानूनों की समीक्षा करने का वक्त आ गया है जो पुलिस को बिना किसी जांच के गिरफ्तार करने का अधिकार देते हैं। एक लोकतांत्रिक देश में बिना किसी सबूत के किसी भी व्यक्ति को किसी भी सूरत में गिरफ्तार नहीं किया जाना चाहिए। जो लोग हजारों वर्षों के शोषण की याद दिलाते हैं, उन्हें यह भी याद रखना चाहिए कि उनके स्तर को उठाने

और भेदभाव खत्म करने के लिए ही आरक्षण की व्यवस्था लागू की गई है और देश का अगुआ वर्ग भी पिछले कई दशकों से इसे स्वीकार कर चुका है। लेकिन किसी को भी इतना अधिकार तो नहीं दिया जाना चाहिए कि वह किसी और जाति, धर्म अथवा संप्रदाय के लोगों को बिना मतलब कानूनी विवाद में उलझा दें अथवा जेल भिजवा दें। सबसे बड़ी बात तो यह है कि, लोग न जानें क्यों इस तथ्य को भी भुला देते हैं कि हजार साल पहले की शासन व्यवस्था चाहे जैसी भी लीनी हो लेकिन इस देश में पिछले 75 वर्षों से लोकतंत्र है, संसद है, न्यायपालिका है और मीडिया भी है। अगर हजार साल पहले ऐसा कुछ हुआ भी होगा जिसका दावा आमतौर पर किया जाता है तो क्या उसका बदला अब एक आजाद लोकतांत्रिक देश में लेने की इजाजत दी जा सकती है। यह तो आखंड के बदले आखंड लेने जैसा निष्पत्ति लागू हो जाएगा—वाद-विवाद में तथ्यों और आंकड़ों की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण होती है लेकिन दुर्भाग्य से आज के माहौल में कोई इस पर बात ही नहीं करना चाहता।

## जी राम जी अधिनियम और लचीली एवं सतत आजीविकाओं की दिशा में भारत की यात्रा

डॉ. विभा धवन

पिछले लगभग दो दशकों से ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम भारत की सामाजिक सुश्ला संरचना का केंद्रीय स्तंभ रहे हैं। वर्ष 2005 में अधिनियमित महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एनजीएनआरजीए) ने ग्रामीण परिवारों को आज सुश्ला प्रदान की है, कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी का विस्तार किया है तथा आवश्यक सामुदायिक परिवर्तनों को सुजुन में योगदान दिया है। जैसे-जैसे ग्रामीण भारत तीव्र आर्थिक, प्रौद्योगिक और पर्यावरणीय परिवर्तनों से गुजर रहा है, उभरती चुनौतियों और अवसरों का प्रभावी ढंग से उत्तर देने के लिए इस ढांचे को और अधिक सुदृढ़ करने की तात्कालिक आवश्यकता है।

विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) गारंटी अधिनियम, 2025 इस क्रमिक विकास को प्रतिबिंबित करता है। ग्रामीण रोजगार गारंटी ढांचे में सुधार के माध्यम से यह अधिनियम इस तथ्य को मान्यता देता है कि सतत ग्रामीण समृद्धि केवल रोजगार सुजुन पर ही नहीं, बल्कि प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, जलवायु जोखिमों के प्रति लचीलेपन तथा आजीविकाओं के संरक्षण पर भी आधारित होनी चाहिए। यह समेकित दृष्टिकोण ऐसे समय में अत्यंत प्रासंगिक है, जब ग्रामीण समुदाय जलवायु परिवर्तनशीलता, चरम मौसमीय घटनाओं और संसाधन दबाव के प्रति बढ़ती संवेदनशीलता का सामना कर रहे हैं।

जी राम जी अधिनियम क्यों विशिष्ट है? जी राम जी अधिनियम की एक प्रमुख विशेषता यह है कि इसमें मजदूरी आधारित रोजगार को चार प्राथमिक क्षेत्रों के साथ संरेखित

करने पर विशेष बल दिया गया है।  
हैकृजल सुरक्षा, मूल ग्रामीण अवसर सुरुक्षा, आजीविका से संबंधित अवसरंचना तथा चरम मौसमीय घटनाओं के शमन से जुड़े कार्य। यह ग्रामीण रोजगार नीति के पर्यावरणीय और लचीलापन संबंधी आयामों को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जल से संबंधित कार्य, मुदा एवं भूमि संरक्षण जल निकासी प्रणालियाँ तथा जलवायु-अनुकूल अवसरंचना कृषि उत्पादकता को बढ़ाने के साथ-साथ बाढ़, सूखा और भूमि क्षरण के प्रति संवेदनशीलता को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जब एसी परिस्थितियाँ प्रभावी ढंग से नियोजित तथा कार्यान्वित की जाती हैं, तो वे कई लाभ उत्पन्न करती हैं, प्राकृतिकालिक रोजगार सृजन, कृत्कालिक संरक्षणों का बेहतर प्रबंधन तथा दीर्घकालिक आजीविका सुरक्षा। इन क्षेत्रों पर अधिनियम को विशेष बल इस तथ्य को रेखांकित करता है कि रोजगार कार्यक्रम एक साथ सामाजिक संरक्षण और जलवायु अनुकूलन के प्रभावी साधन के रूप में कार्य कर सकते हैं।

स्थानीय स्तर पर लचीलापन अधिनियम की नियोजन पारिस्थितिकी कृषि का केंद्र विवसित ग्राम पंचायत योजनाएँ हैं तथा जिसमें परिस्थितियों को विकसित भारत राष्ट्रीय ग्रामीण अवसरंचना स्टैक के अंतर्गत एकीकृत किया गया है। हैकृग्रामीण विकास के लिए एक सुसंगत और र भविष्य के लिए तैयार दृष्टिकोण को समर्थन प्रदान करती है।

विकेन्द्रीकृत नियोजन के माध्यम से पंचायतों को स्थानीय

प्राथमिकताओं की पहचान करने का अवसर मिलता है, जबकि राष्ट्रीय प्लेटफार्मों के साथ ऐकीकरण व्यापक अवसरचना एवं विकास उद्देश्यों के साथ समन्वय सुनिश्चित करता है। कार्यान्वयन के दृष्टिकोण से यह ढांचा रोजगार गारंटी के अंतर्गत सृजित परिस्परपत्तियों की गुणवत्ता स्थायित्व और प्रासंगिकता में सुधार का अवसर प्रदान करता है। पर्याप्त तकनीकी सहयोग और क्षमता निर्माण के माध्यम से पंचायती राज संस्थान यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं कि सार्वजनिक कार्य संसाधन संरक्षण तथा आपदा जोखिम न्यूनीकरण में सार्थक योगदान दें। अधिनियम के अंतर्गत परिकल्पित पारस्परिकता तंत्र, डिजिटल निगरानी उपकरण और सामाजिक अंकेक्षण जवाबदेही को और सुदृढ़ करते हैं तथा सामुदायिक सहभागिता को प्रोत्साहित करते हैं। सामाजिक संरक्षण और लचीलेपन पर ऊर्जा एवं संसाधन संस्थान (टैरी)सतत विकास के प्रति वचनबद्ध एक शोध समझने के रूप में, टैरी ने यह समझने के लिए व्यापक रूप से कार्य किया है कि ग्रामीण समुदायों में लचीलापन विकसित करने के लिए सामाजिक संरक्षण तंत्रों को किस प्रकार सुदृढ़ किया जा सकता है। हमारे शोध से यह स्पष्ट हुआ है कि जब रोजगार कार्यक्रमों को पर्यावरणीय योजना और जोखिम—सूचित रूपरेखा के साथ जोड़ा जाता है, तो वे घरेलू तथा सामुदायिककृदोनों स्तरों पर अनुकूलन क्षमता को उल्लेखनीय रूप से बढ़ा सकते हैं। टैरी ने जलवायु लचीलापन, पारिस्थितिकी तंत्र पुनर्संस्थापन तथा आजीविका की निरन्तरता को सम्मिलित करने हेतु नीतिगत ढांचों के पुनरोद्धार और सुदृढ़ीकरण से संबंधित सरकारी प्रक्रियाओं में विश्लेषणात्मक योगदान प्रदान किया है। इसमें कार्यक्र-

अभिकल्पना में लचीलापन संबंधी प्रभुत्वों के एकीकरण को समर्थन देना तथा रोजगार सृजन के संसाधन-साथ दीर्घकालिक पंचवर्षीय और सामाजिक परिणामों के प्रतिबिंबित करने वाले संकेतकों की पद्यान करना शामिल है। इसके अतिरिक्त, टेरी ने ऐसे वित्तीय मॉडल और नियोजन दृष्टिकोण का अध्ययन किया है, जो ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक निवेश को अधिकृत करने में मदद कर सकते हैं। कृ. सामुदायिक परिस्परितायों के सृजित करना, दीर्घकालिक संवेदनशीलता को कम करना, और संसाधनों के उपयोग की दक्षता बढ़ाना। इस प्रकार के शोध-आधारित योगदान का उद्देश्य सार्वजनिक नीति निर्माण को समर्थन करना होता है। आज की अवस्थाओं का संरक्षण जी. रामजी अधिनियम का दृष्टिकोण ग्रामीण आजीविकाओं को बनाए रखने के लिए प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के महत्व को प्रमुखता देता है। जल सुरक्षा, प्रभुत्व, भंडारण और जलवायु-सहनशील अवसरजनन में निवेश प्रत्यक्ष रूप से कृषि सहायक गतिविधियों और गैर-कृषि आजीविकाओं का समर्थन करता है। साथ ही, अधिनियम में शामिल प्रावधान, जैसे कि प्रमुख कृषि सीजन के दौरान सार्वजनिक कार्यों में राज्य-निर्धारित विषय, यह सुनिश्चित करने में मदद करते हैं कि रोजगार सृजन कृषि गतिविधियों के पूरक रूप में बना रहे। एक कानूनी रोजगार गारंटी की निश्चयता साथ ही जहाँ कार्य प्रदान नहीं किया जाता वहाँ बेरोजगारी भत्ता देने के प्रावधान, अधिनियम के सामाजिक संरक्षण उद्देश्यों को और मजबूत करते हैं।

# आज का राशिफल

मेघ राशि—  
आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आज आप अपने कर्म पर ध्यान देंगे और सकारात्मक रहेंगे। किसी समस्या का हल आपके काम से ही मिलेगा।

वृष राशि—  
आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज जीवन बहुत सहज और आसान लगेगा। दूसरों से आगे जाने की इच्छा आपके आत्मविश्वास और कार्यकुशलता में वृद्धि लायेगा।

मिथुन राशि—  
आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। नया बिजनेस शुरू करना चाह रहे हैं तो आज उससे संबंधित शुरुआत करना बहुत ही अनुकूल रहेगा। प्रॉपर्टी के बिजनेस के लिए भी लाभदायक स्थिति बनी हुई है।

कर्क राशि—  
आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज परिस्थितियों को देखने के नजरिया बदलने की जरूरत है। समस्याओं को सकारात्मकता के साथ हल करेंगे तो बेहतर रहेगा।

सिंह राशि—  
आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। दंपत्य जीवन और घर की व्यवस्था में मधुरता और आपसी सामंजस्य उचित रहेगा। युवा वर्ग व्यर्थ के कामों में पड़कर समय नष्ट ना करें।

कन्या राशि—  
आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज जीवनसाथी व परिवारजनों का सहयोग आपके आत्म बल व आत्मविश्वास को बनाकर रखेगा। आप सकारात्मक होकर अपने काम पर ध्यान दे पाएंगे।

तुला राशि—  
आज का दिन फेरेखल रहने वाला है। आज आपकी आर्थिक समस्या हल होने वाली है। पहले का रुका पैसा आज मिल जाएगा। आत्मक्तिन करने से आपके दृष्टिकोण में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिलेगा।

वृश्चिक राशि—  
आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज धार्मिक और आध्यात्मिक उन्नति की तरफ आपका ध्यान केंद्रित होगा। अपने लक्ष्य के प्रति पूर्ण रूप से एकाग्रचित्त रहें।

धनु राशि—  
आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। विद्यार्थी और युवा अपनी सफलता को लेकर मन में किसी भी तरह का संशय न रखें, मेहनत जारी रखें।

मकर राशि—  
आज का दिन आपके लिए ठीक—ठाक रहने वाला है। आज दूसरों से ज्यादा उम्मीद करने की बजाय अपनी कार्य क्षमता व योग्यता पर विश्वास रखें।

कुंभ राशि—  
आज का दिन आपके लिए नई उमंग से भरा रहने वाला है। नौकरी और बिजनेस के सिलसिले में यात्रा का प्रोग्राम बन सकता है।

मीन राशि—  
आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज किसी करीबी की सलाह आपके लिए फायदेमंद होगी। ये समय आपके लिए आगे बढ़ने का है।



# कार्वाई श्रम विभाग से फर्जी लाभ लेने के मामले में मुकदमा दर्ज

मीरजापुर। श्रम विभाग में चल रहे फर्जीवाड़ा का मामला धमने का नाम नहीं ले रहा है। शनिवार को एक नया मामला सामने आने के बाद विभाग द्वारा योजना का फर्जी लाभ लेने के मामले में मुकदमा दर्ज कराना पड़ा है। मामले में श्रम प्रवर्तन अधिकारी चुनार ज्ञानेंद्र सिंह ने मातृत्व शिशु एवं बालिका मदद योजना में गलत तरीके से 31000 रुपए का लाभ लिए जाने के आरोप में संजीव कुमार कुशवाहा पर चुनार कोतवाली में प्राथमिकी दर्ज कराई है। इसके पूर्व धन वापसी को लेकर श्रम विभाग द्वारा नोटिस जारी कर डीडी के माध्यम से हित लाभ के पैसे को जमा करने का निर्देश दिया गया था, जो अब तक नहीं कराया गया। सूत्रों की माने तो तत्कालिन सहायक श्रमायुक्त मीरजापुर सुविज्ञ सिंह ने रैंडम आधार पर 8 अप्रैल 2025 को संजीव कुशवाहा के हितलाभ

की स्थलीय जांच की थी, जिसमें पाया गया कि लाभार्थी निर्माण श्रमिक नहीं है और वह पिछले 5 वर्ष से वर्मा फोटो स्टेट पर काम करता है। जिसकी लिखित बयान दर्ज करते हुए नोटिस जारी करने के साथ-साथ श्रम प्रवर्तन अधिाकारी चुनार को प्राथमिकी हेतु दो बार 9 अप्रैल 2025 व 5 मई 2025 को पत्र जारी किया गया था। तीसरी बार वर्तमान सहायक श्रम आयुक्त मीरजापुर सतीश सिंह द्वारा 17 जनवरी 2026 को पत्र जारी कर हितलाभ की वापसी डीडी के माध्यम से बोर्ड के खाते में जमा कराने के साथ-साथ प्राथमिकी दर्ज कराने का निर्देश दिया गया था, जिसके क्रम में चुनार थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई। जिसकी जानकारी होते ही श्रम विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ दिलाने वाला सिंडिकेट सक्रीय हो गया था तथा प्राथमिकी पर कार्रवाई न हो इसके

लिए बकायदा जोर-आजमाइश भी लगाना शुरू कर दिया था। हालांकि प्रकरण में एक नया मोड़ आया जिसको लेकर सवाल तो उठेंगे ही। इसे कई प्रकार से देखा जा रहा है। चर्चा है कि तत्कालीन एएलसी सुविज्ञ सिंह ने यह प्राथमिकी चुनार के लेबर अफसर को कुछ सीखने-सिखाने के उद्देश्य से दर्ज करने पर जोर दिया था, जिसके भविष्य में अनेक मतलब निकलेंगे। वही इस बात की भी चर्चा है कि जिस संजीव पर आज प्राथमिकी दर्ज होने की बात की जा रही है वह पूर्व में भी एक लाभ ले चुका है, शायद उसकी भी वसूली हो सकती है या फिर यह किसी ढ़ेप को लेकर किया गया है। सबसे बड़ी बात यह है कि जिस सुविज्ञ सिंह ने अपने रैंडम जांच में एक गड़बड़ी पर कम से कम दो बार धन वापसी के

साथ प्राथमिकी दर्ज कराने पर जोर दिया वह तो कुछ भी नहीं, जबकि इसके पूर्व की जांच में विध्याचल के गोपालपुर प्रकरण में डीएलसी की जांच में 12 के 12 मामले फर्जी पाए गए थे, जिसमें 11 लोगों से लगभग 5 लाख 14 हजार रुपए के आस-पास की वसूली हुई है। आश्चर्य की बात यह है कि पिछले 6 माह से चर्चित 105 में 90 फर्जी मामले में वर्तमान एएलसी सतीश कुमार सिंह इतने भोले बनते है कि जैसे वे कुछ जानते ही नहीं और तो और

मीडिया और जिला प्रशासन को गुमराह करते हुए बताते हैं कि गलत हितलाभ लेने वालों से वसूली का प्रावधान है ना की प्राथमिकी दर्ज कराने का, इसके लिए प्रमुख सचिव का आदेश होना चाहिए। इससे अनुमान लगाया जा सकता है कि भ्रष्टाचार कैसे पनपता है और इसे कौन लोग प्रश्रय देते हैं।

# डीएन पालीटेक्निक में चल रहे तीन दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का समापन

मेरठ। डीएन पालीटेक्निक परतापुर में चल रहे तीन दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम-25-26 रिदम का समापन समारोह धूम्राम से हुआ। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनोहारी प्रस्तुति कर मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में इलेक्ट्रिकल में अंतिम वर्ष की छात्रा जिया को मिस रिदम एवं मैकेनिकल अंतिम वर्ष के छात्र ऋषभ शरन मिस्टर रिदम बने। अंत में प्रधानाचार्य ने सभी विजेता छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया।समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं डीएन पालीटेक्निक की प्रधानाचार्य अर्चना गोयल ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम के दौरान कुल 15

प्रतियोगिताएं हुईं। इनमें मुख्य रूप से रंगोली, फैंसी ड्रेस, पोस्टर मेकिंग, एकल गायन, एकल नृत्य छात्र, प्रश्नोत्तरी, मेहंदी, बेस्ट आउट आफ वेस्ट, फैंस पेंटिंग, लघु नाटिका, मूक अभिव्यक्ति शामिल हैं। इनमें छात्र-छात्राओं ने बढ़चढ़कर भाग लिया। छात्रा जिया ने नगाड़े संग ढोल बाजे, ढोल बाजे... गीत पर नृत्य की मनोहारी प्रस्तुति कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। स्टाफ के सदस्य विशाल जैन ने जिस भजन में राम का नाम न हो...की प्रस्तुति कर सभी को भक्त रस से सराबोर कर दिया। प्रदीप वर्षणेश एवं रमाकांत ने मधुर संगीत गायन से सभी का मन मोह लिया। विभागाध्यक्ष सिविल मनोज कुमार वर्षणेश, इलेक्ट्रिकल नरेंद्र

कुमार, विभाग प्रभारी बायोटेक अरुण कुमार, यांत्रिकी प्रवक्ता सुशील कुमार, मीनाक्षी सैनी व इंजीनियर सुखदेव शर्मा ने छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम की सचिव व प्रवक्ता रसायन विज्ञान डा. निधि शर्मा ने कार्यक्रम का संचालन किया।

प्रतियोगिता में यह रहे विजेताफाइल व फोल्डर सज्जा में रोहन, रंगोली में नेहा शर्मा व फैंसी ड्रेस में जिया तृतीय वर्ष इलेक्ट्रिकल, एकल गायन में अंशुमन मुद्गल प्रथम वर्ष सिविल, एकल नृत्य छात्र में अंशु प्रथम वर्ष इलेक्ट्रिकल व पोस्टर मेकिंग में मनोज सैनी तृतीय वर्ष इलेक्ट्रिकल विजेता

रहे।प्रश्नोत्तरी में वंश सिंह, यश शर्मा व अंकित तिवारी प्रथम वर्ष इलेक्ट्रिकल, मेहंदी में तान्या सैनी द्वितीय वर्ष सीएस, समूह नृत्य में रीतिका एंड ग्रुप विजेता बने।

मीडिया प्रभारी सुखदेव शर्मा ने बताया कि बेस्ट आउट आफ वेस्ट में नेहा शर्मा तृतीय वर्ष इलेक्ट्रिकल, फेस पेंटिंग में रोहन तृतीय वर्ष सिविल, एक्सटेंपोर में नेहा शर्मा तृतीय वर्ष इलेक्ट्रिकल, लघु नाटिका में प्रिंस एंड ग्रुप तृतीय वर्ष इलेक्ट्रिकल, मूक अभिव्यक्ति में वंश एवं प्रिंस इलेक्ट्रिकल व एकल नृत्य छात्रा में जिया तृतीय वर्ष इलेक्ट्रिकल विजेता रहे। इन सभी को कार्यक्रम के अंतिम दिन पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

# भीषण सड़क हादसा, रोडवेज बस की टक्कर से दो लोगों की मौत

मोदीपुरम (मेरठ)। रविवार को दिन निकलते ही सुबह करीब 7.30 बजे दून हाईवे पर दादरी के पास भीषण सड़क हादसा हो गया। खतौली से पैदल यात्रा करते हुए नंगली तीर्थ जा रहे दो महिला और एक पुरुष को रोडवेज बस ने टक्कर मार दी। हादसे में पुरुष और एक महिला की मौत हो गई, जबकि पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद मौके पर जाम लग गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह जाम खुलवाया और घायल महिला को अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने मृतक के स्वजन को सूचना दे दी है।दौराला थाना इस्पेक्टर सुमन कुमार सिंह ने बताया कि खतौली में मोहल्ला पुरानी शिवपुरी निवासी हरिओम अपनी पत्नी सरिता और पड़ोसी सरला के साथ पदयात्रा करते हुए नंगली तीर्थ को रविवार सुबह जा रहे थे। तीन बजे जब दिल्ली देहरादून हाईवे पर दौराला थाना क्षेत्र के गांव दादरी के पास शिव ढाबा के सामने पहुंचे तभी देहरादून की ओर से आ रही तेज रफ्तार रोडवेज बस के चालक का स्टेयरिंग से नियंत्रण हट गया और तीनों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा होते ही मौका पाकर चालक बस को लेकर फरार हो गया। राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। मौके पर जाम लग गया। सूचना पर पुलिस घटनास्थल पहुंची और जाम खुलवाते हुए तीनों को अस्पताल पहुंचाया गया। जहां हरिओम और सरला को मृत घोषित कर दिया, जबकि सरिता गंभीर रूप से घायल है। इस्पेक्टर का कहना है कि अभी तहरीर नहीं मिली है। उसके बाद आगे कार्रवाई की जाएगी। सीसीटीवी फुटेज चेक किया जा रहे हैं जिससे टक्कर मारने वाली रोडवेज बस का पता चल सके।

# सुविधारु मेरठ में पासपोर्ट आफिस का होने जा रहा विस्तार

मेरठ। कैंट प्रधान डाकघर परिसर स्थित पासपोर्ट आफिस का विस्तार होने जा रहा है। आवेदकों के लिए चार काउंटर बढ़ाने की तैयारी है। इसके साथ ही प्रतिदिन होने वाले एप्वाइंटमेंट की संख्या भी तीन गुणा हो जाएगी। स्वीकृति मिलते ही काम शुरू हो जाएगा। वर्तमान व्यवस्था के अंतर्गत पीओपीएसके (पोस्ट आफिस पासपोर्ट सेवा केंद्र) में पासपोर्ट के 90 एप्वाइंटमेंट लिए जाते हैं। विस्तार के बाद इनकी संख्या 270 तक हो जाएगी। गाजियाबाद क्षेत्रीय कार्यालय के अंतर्गत संचालित 11 पीओपीएसके में मेरठ व नोएडा दोनों का विस्तार होगा। शनिवार को क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय गाजियाबाद में प्रशिक्षण कार्यशाला व पुरस्कार वितरण समारोह हुआ। इसमें डाक विभाग उग्र परिमंडल के चीफ पोस्टमास्टर जनरल प्रणव कुमार ने कहा कि विदेश मंत्रालय व डाक विभाग के बीच पत्राचार निर्णायक दौर में है।डाक विभाग की तरफ से बुनियादी सुविधाएं, संसाधन पासपोर्ट आफिस को उपलब्ध कराए जाएंगे। क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी अनुज स्वरूप ने कहा कि पीओपीएसके में डाक विभाग के सहयोग से ही लोगों को पासपोर्ट सेवाएं मिलती हैं। नोएडा व मेरठ दोनों पासपोर्ट आफिस का विस्तार प्रक्रियाधीन है। कार्यक्रम में डाक विभाग व टीसीएस के उन कार्मिकों को सम्मानित किया, जिन्होंने 2025 में पासपोर्ट सेवाओं के प्रभावी व उत्कृष्ट निष्पादन में सराहनीय भूमिका निभाई।

# जिलाधिकारी की अध्यक्षता में स्वास्थ्य समिति शासी निकाय की बैठक सम्पन्न

कुशीनगर,(आरएनएस)। जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर की अध्यक्षता में स्वास्थ्य समिति शासी निकाय की एक महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जनपद में स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित समस्त योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान संस्थागत प्रसव, आशा कार्यक्रमियों के भुगतान, आयुष्मान आरोग्य मंडिरों की स्थिति, विभिन्न टीकाकरण कार्यक्रम, स्वास्थ्य विभाग से संबंधित निर्माण कार्य, नसबंदी, अंतरा इंजेक्शन, आईएसजेई सहित अन्य स्वास्थ्य योजनाओं में हुई प्रगति की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान स्वास्थ्य विभाग में नव नियुक्त 24 एमबीबीएस चिकित्सकों से

परिचय प्राप्त करते हुए उन्हें बधाई दी गई तथा कार्य के प्रति सजग रहते हुए सप्ते गए दायित्वों का पूर्ण निष्ठा से निर्वहन करने की अपेक्षा की गई। जिलाधिकारी द्वारा जन औषधि केंद्र संचालित करने वाले केंद्रों से वार्ता कर जन औषधि केंद्रों की स्थिति की जानकारी ली गई तथा अवशेष केंद्रों की स्थापना के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए गए। समीक्षा में पाया गया कि आशा कार्यक्रमियों का भुगतान माह दिसम्बर तक कर दिया गया है। सीएचसी स्तर पर वार्ड-डिलेवरी से संबंधित विगत बैठक में दिए गए निर्देशों के क्रम में जानकारी ली गई, जिस पर एमवाईसी द्वारा तकनीकी समस्या का उल्लेख करते हुए बताया गया कि उसका विवरण पत्रिका में अंकित है।

इस पर जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि मुख्य विकास अधिाकारी द्वारा चयनित 5-5 ग्रामों की सूची के अनुसार संबंधित पंजिका अगले सप्ताह कैम्प कार्यालय में उपलब्ध कराई जाए। बैठक में गर्भवती महिलाओं की नियमित जांच एवं पंजीकरण प्रक्रिया को अद्यतन रखने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त मातृ मृत्यु (मेटर्नल डेथ) के मामलों में की गई कार्यवाही की भी समीक्षा की गई तथा रिक्त पदों के सापेक्ष अवशेष भर्तियां शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। विभिन्न प्रकार के टीकाकरण कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए जिलाधिाकारी ने इन्हें शत-प्रतिशत पूर्ण कराने के निर्देश दिए। साथ ही

परिवार नियोजन कार्यक्रम के अंतर्गत 16 फरवरी से 27 फरवरी तक संचालित होने वाले विशेष अभियान के संबंध में आमजन को व्यापक रूप से जागरूक करने पर बल दिया गया। टीबी मुक्त भारत अभियान की प्रगति की समीक्षा करते हुए कुछ रोग जागरूकता कार्यक्रम को और अधिक प्रभावी बनाए जाने हेतु जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं जिला पंचायत राज अधिकारी को आवश्यक निर्देश दिए गए। आयुष्मान भारत योजना की समीक्षा में अवगत कराया गया कि जनपद में 15,40,233 पात्र लाभार्थियों के सापेक्ष अब तक लगभग 9,67,000 आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। इस पर जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि शेष कार्ड मार्च माह तक अनिवार्य रूप से बनाए जाएं,

# झाड़ू लगा रही थी वृद्धा के कान से कुंडल झपट ले गया बंदर, लगे 22 टांके

मेरठ। शास्त्रीनगर सेक्टर-दो में अपने घर के बाहर झाड़ू लगा रही 79 वर्षीय वृद्धा आदेश कुमारी पर अचानक को लेकर बंदर ने हमला कर उनका कान नोच डाला। गंभीर रूप से घायल करने के साथ बंदर कान में पहना हुआ सोने का कुंडल भी ले गया। खून से लथपथ वृद्धा को स्वजन तुरंत कनग अस्पताल ले गए, जहां ईएनटी विशेषज्ञ ने कान में 22 टांके लगाकर पट्टी की। एंटी रेबीज इंजेक्शन लगाया।

यह इकलौती घटना नहीं है, बीते 36 घंटे के भीतर इसी क्षेत्र में बंदर ने एक दंत चिकित्सक सहित आठ कुमारी पर अचानक हमला तीन और लोगों को काटा है। बंदरों के उत्पात से पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। लोग घरों

से बाहर डंडा लेकर निकल रहे हैं। महिलाएं और बच्चे घरों में कैद होने को मजबूर हैं। लोगों में बंदर न पकड़े जाने को लेकर नगर निगम और वन विभाग के खिलाफ आक्रोश है। दंत चिकित्सक सहित स्थानीय लोगों ने डीएम को पत्र लिखकर बंदरों से निजात दिलाने की मांग की है। शनिवार सुबह करीब आठ बजे सेंट्रल मार्केट कैलाश डेरी के पीछे मकान संख्या 52४2 शास्त्रीनगर सेक्टर-दो के बाहर 79 वर्षीय आदेश कुमारी झाड़ू लगा रही थीं।अचानक एक बंदर आया। इससे पहले वह कुछ समझ पाती कि बंदर ने झपट्टा मारा और बायां कान नोच लिया। वह चिल्लाकर जमीन पर गिर गई। बंदर उनकी ओर बढ़ा तो झाड़ू

पटकने लगीं। तभी चीख-पुकार सुनकर घर के अंदर से स्वजन बाहर आ गए। उन्हें जमीन पर गिरा देख सहम गए। पहले बंदर को डंडे से भगाया। फिर उन्हें लेकर कनग अस्पताल पहुंचे। उनके बेटे अनंत विश्नोई ने कहा कि घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में यह घटना कैद हो गई। इसी मुहल्ले में मकान संख्या 50४2 में रहने वाले दंत रोग विशेषज्ञ डा. शुभम रस्तोगी शुक्रवार को अपने घर की छत पर थे। तभी दो-तीन बंदर आए और उन पर हमला कर दिया। वह खुद को बचाने के लिए भागे, तब तक एक बंदर पर उनके पति पूर्व पार्षद संजीव पुंडीर मौके पर पहुंचे। उनसे लोगों ने बंदर पकड़वाने की मांग की।दंत चिकित्सक ने लिखा जिलाधिकारी को पत्र बंदरों के काटने की घटनाओं को लेकर दंत चिकित्सक डा. शुभम रस्तोगी ने डीएम को पत्र लिखा है। बंदरों से निजात दिलाने की मांग की है। बताया कि बंदरों के उत्पात से कोई सुरक्षित नहीं है। बच्चे, महिलाएं सब घर से बाहर निकलने में डर रहे हैं।

# हरिनापुर को मिलेगी नई पहचान, 15 पुरातात्विक स्थलों में शामिल होने से बड़ेगा ऐतिहासिक गौरव

मेरठ। आम बजट 2026-27 में हरिनापुर की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर नई ऊंचाइयों पर ले जाने की घोषणा की गई है। केंद्र सरकार ने देश के 15 प्रमुख पुरातात्विक स्थलों में हरिनापुर को पुनः शामिल किया है, जिसके तहत यहां के उत्खनन स्थलों को आम जनता के लिए खोला जाएगा। इसके अतिरिक्त, पर्यटकों और शोधार्थियों की सुविधा के लिए इंटरप्रिटेशन सेंटरों की स्थापना और प्रस्ताव भी बजट में शामिल किया गया है। इस दूरदर्शी पहल को क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है।महारात काल की राजधानी का

पुनर्जागरणमहाभारत काल की पांडवों की राजधानी के रूप में विख्यात हरिनापुर, अपने गौरवशाली अतीत को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के लिए लंबे समय से प्रयासरत था। बजट में की गई इस घोषणा से न केवल यहां की बहुमूल्य ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण को बल मिलेगा, बल्कि यह क्षेत्र पर्यटन के नए द्वार भी खोलेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि उत्खनन स्थलों को सार्वजनिक रूप से सुलभ कराने से आम नागरिक भारतीय सभ्यता की जड़ों को और गहराई से समझ सकेंगे।

पर्यटन और शिक्षा का संगमरू

इंटरप्रिटेशन सेंटरस की

भूमिकाप्रस्तावित इंटरप्रिटेशन सेंटरस पर्यटकों को हरिनापुर के समृद्ध इतिहास, महत्वपूर्ण पुरातात्विक खोजों और इसके सांस्कृतिक महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करेंगे। यह सुविधा विशेष रूप से शोधार्थियों और विद्यार्थियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी, जिससे हरिनापुर एक प्रमुख शैक्षिक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित हो सकेगा।स्थानीय अर्थव्यवस्था को गतिरू रोजगार के नए अवसरस्थानीय निवासियों और जन प्रतिनिधियों ने बजट की इस घोषणा का तहे दिल से स्वागत किया है। उनका मानना है कि इससे क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और स्थानीय अर्थव्यवस्था को

उल्लेखनीय गति मिलेगी। होटल व्यवसाय, गाइड सेवाएं, हस्तशिल्प उद्योग और परिवहन क्षेत्र में विकास की अपार संभावनाएं देखी जा रही हैं।मैक्लिष की ओरुए एक ऐतिहासिक धरोहर का सशक्तिकरण कुल मिलाकर, आम बजट में हरिनापुर को मिली यह सौगत इसके ऐतिहासिक गौरव को एक नई और सशक्त पहचान देने वाली साबित होगी। यदि इन प्रस्तावों को समयबद्ध और प्रभावी ढंग से लागू किया जाता है, तो आने वाले वर्षों में हरिनापुर निश्चित रूप से देश के प्रमुख ऐतिहासिक और पर्यटन स्थलों में अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाएगा।

# रालोद ने 5 जिलों के अध्यक्ष बदलेरुमेरठ में सबसे कम उम्र के अनिकेत भारद्वाज को कमान

मेरठ। राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) ने 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों के तहत संगठन में बड़े फेरबदल किए हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जयन्त चौधरी ने मेरठ सहित पांच जिलों के जिलाध्यक्षों को बदला है। मेरठ में सबसे कम उम्र के अनिकेत भारद्वाज को जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है।मेरठ में मतलूब गौड़ के स्थान पर 29 वर्षीय अनिकेत भारद्वाज को नया जिलाध्यक्ष बनाया गया है। अनिकेत वर्तमान में जिला पंचायत सदस्य हैं। इसके अतिरिक्त, मुजफ्फरनगर में संजय राठी, बिजनौर में ओमपाल कश्यप, अलीगढ़ में एडवोकेट कालीचरण और बदायूं में मुकेश चौधरी को जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।पार्टी ने भाजपा की तर्ज पर प्रदेश को तीन हिस्सों में बांटकर क्षेत्रीय अध्यक्ष भी नियुक्त किए हैं। शामली निवासी और पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष तरसपाल मलिक को हरिनापुर क्षेत्र (पश्चिम क्षेत्र) का क्षेत्रीय अध्यक्ष बनाया गया है। बुलंदशहर के राजीव चौधरी को क्षेत्रीय मंत्री की जिम्मेदारी दी गई है।मात्र 29 वर्ष की आयु में अनिकेत भारद्वाज को यह बड़ी जिम्मेदारी मिलने से मेरठ के राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है। पार्टी ने जातीय समीकरण साधने के साथ ही युवा नेतृत्व पर बड़ा दांव खेला है। एडवोकेट अनिकेत भारद्वाज संगठन में लंबे समय से सक्रिय हैं और वह युवा लोकदल में राष्ट्रीय सचिव तथा पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष रह चुके हैं। उनके पिता सोहित कुमार त्यागी (एडवोकेट) सरथना बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष, रालोद के जिला उपाध्यक्ष और युवा लोकदल के पूर्व प्रदेश सचिव रहे हैं। उनकी माता अंजना त्यागी भी सरथना के ग्राम इकड़ी की पूर्व प्रधान रह चुकी हैं।

# किसान को रोडवेज बस ने कुचला, 10 मीटर तक लाश को घसीटा, बिलखती रहीं पत्नी और दो छोटी बेटियां

मेरठ। सदर थाना क्षेत्र स्थित भैसाली बस अड्डे के बाहर किसान नेतिन कुमार (37) को अनुबंधित बस ने कुचल दिया। बस चालक करीब 10 मीटर तक उन्हें घसीटता हुआ ले गया। इससे नितिन की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी चालक बस छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पल्लवपुरम थाना क्षेत्र के धंजू

गांव निवासी नितिन कुमार पुत्र वेदप्रकाश शुक्रवार को किसी काम से मेरठ आए थे। सुबह वह घर जाने के लिए भैसाली अड्डे के बाहर वाहन का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान वैशाली डिपो की एक अनुबंधित बस सवारियों भरकर अड्डे से बाहर निकल रही थी। चालक ने लापरवाही से बस चलाते हुए सड़क किनारे खड़े नितिन को जोरदार टक्कर मार दी और उन्हें लगभग 10 मीटर तक घसीटता हुआ ले गया।

राहगीरों के शोर मचाने पर चालक ने बस रोकी लेकिन तब तक नितिन की सांसे थम चुकी थी। चालक मौके पर ही बस छोड़कर भाग गया। हादसे के कारण बस अड्डे के बाहर जाम की स्थिति बन गई, जिसे पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सुचारु कराया। परिजनों ने आरोपी बस चालक के खिलाफ थाने में तहरीर दी है। सीओ कैंट नवीना शुक्ला ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। तहरीर के आधार पर

प्राथमिकी दर्ज की जा रही है और फरार चालक की तलाश के लिए पुलिस टीमें लगा दी गई हैं। परिवार में मचा कोहराम नितिन खेती-किसानी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनकी शादी करीब आठ साल पहले अर्चना से हुई थी और उनकी दो छोटी बेटियां हैं। पुलिस ने नितिन की जेब से मिले मोबाइल के जरिए परिजनों को सूचना दी। मौत की खबर मिलते ही पत्नी अर्चना और अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

# राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का हुआ समापन, जिला सड़क सुरक्षा एवं विद्यालय यान परिवहन समिति की बैठक सम्पन्न

कुशीनगर, (आरएनएस)। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के समापन अवसर पर जिला सड़क सुरक्षा समिति, जिला विद्यालय यान परिवहन सुरक्षा समिति तथा नो हेलमेट-नो फ्यूल के कड़ाई से अनुपालन करने का निर्देश दिया गया। अपर जिलाधिकारी (विद्येा राजस्व) वैभव मिश्रा एवं अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) प्रेम कुमार राय की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की आयोजित बैठक में अपर जिलाधिाकारी (वित्तध्वाजस्व) द्वारा सड़क सुरक्षा नियमों का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित कराने हेतु निर्देश दिए गए। समस्त संबंधित विभागों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए सड़क सुरक्षा समिति के निर्देशों का पालन करने के लिए कहा गया। यातायात निरीक्षक को निर्देशित किया गया कि पुलिस विभाग द्वारा गठित सीसीटी एवं जनपद के समस्त थानों से प्राप्त ब्लैक

स्पॉट एवं दुर्घटना बाहुल्य स्थलों की सूचना संकलित कर, संबंधित विभागों को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित की जाए। जिला विद्यालय यान परिवहन सुरक्षा समिति की बैठक में अपर जिलाधिकारी (वित्तध्वाजस्व) द्वारा जनपद के समस्त विद्यालयों के प्रबंधक एवं प्रधानाचार्यों को विद्यालय यान परिवहन समिति का गठन कर नियमित बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही अनफिट विद्यालय वाहन का संचालन न करने, सड़क स्कूल वाहनों की फिटनेस सुनिश्चित कराने, वाहन चालकों एवं परिचालकों का चरित्र सत्यापन कराने तथा माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। नो हेलमेट-नो फ्यूल से संबंधित बैठक में अपर जिलाधिाकारी द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में सर्वाधिक सड़क

दुर्घटनाएं दो-पहिया वाहनों से होती हैं। जनपद को जीरो फ़ेटेलिटी डिस्ट्रिक्ट के अंतर्गत रखा गया है। माननीय मुख्यमंत्री जी के निर्देशों के क्रम में जनपद के समस्त पेट्रोल पंपों पर नो हेलमेट-नो फ्यूल नीति का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा। बिना हेलमेट के किसी भी दो-पहिया वाहन चालक को इंधन न दिए जाने के निर्देश दिए गए।बैठक के अंत में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह, जनवरी का विधिवत समापन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों एवं एनजीओ द्वारा सड़क सुरक्षा माह में उत्कृष्ट योगदान देने हेतु प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए गए।प्रशस्ति-पत्र प्राप्त करने वालों में अजय कुमार गिरी, वाहिद अली (रोटरी क्लब), पारसनाथ (उच्च शिक्षा विभाग) रोड सेपटी क्लब), वृजेश मोहन यादव एवं तेज बहादुर (गुड

सेमेरिटन), नीरज बंका (स्काउट एवं गाइड), विजय कुमार राय (जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय), राहुल सोनी एवं मनोज वर्मा (सहायक अभियंता, पीडब्ल्यूडी), सोनू पांडेय (यातायात विभाग), राम ख्याली सत्यार्थी, सुहेल अंसारी एवं शिव कुमार (परिवहन निगम) शामिल रहे। बैठक में पुलिस विभाग से सीओ ट्रैफिक, पीडब्ल्यूडी से सहायक अभियंता, परिवहन विभाग से यात्रीध्मालकर अधिकाारी, स्वास्थ्य विभाग से डिप्टी सीएमओ, परिवहन निगम से एआरएम, जिला पूर्ति अधिकारी, एनएचएआई, पीडब्ल्यूडी एनएच डिवीजन के अधिकारी-कर्मचारी, जनपद के समस्त विद्यालयों के प्रबंधक एवं प्रधानाचार्य, समस्त पेट्रोल पंप प्रबंधक तथा ट्रांसपोर्ट यूनियन के पदाधिाकारियों ने प्रतिभाग किया।



# मदरसा इस्लामिया फारुकिया व एम.आई.एफ. स्कूल का सालाना जलसा आयोजित

प्रयागराज। इल्म वह दौलत है जो इंसान को दुनिया से रुखसत होने के बाद भी जिंदा रखती है। कुरान—ए—पाक में अल्लाह तआला के नाम के बाद सबसे ज्यादा ताकीद इल्म हासिल करने पर की गई है। यह बातें दरियाबाद में स्थित मदरसा इस्लामिया फारुकधिया और एम.आई.एफ. स्कूल के सालाना जलसे के मौके पर मौलाना मुप्ती नईम ने अपने असरदार खप्तिाब में कहीं।मौलाना मुप्ती नईम साहब ने कहा कि दीनी और दुनयावी तालीम दोनों ही हर मुसलमान

पर फर्ज हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों की सही तरबियत और बेहतर मुस्तक़बिल के लिए इल्म की राह सबसे जरूरी है। समाज के साहिब—ए—हैसियत अफराद को चाहिए कि वे अपने—अपने इलाकधें में स्कूल और मदरसे क़ायम करें, ताकि तालीम हर बच्चे तक आसानी से पहुंचे और कोई भी बच्चा इल्म से महरूम न रह जाए।इस मौके पर अल—फारुकध एजुकेशन एंड वेलफेयर फाउंडेशन के सेक्रेटरी मौलाना रेहान क़धसमी ने कहा कि मदरसा इस्लामिया

फारुकधिया और एम.आई.एफ. स्कूल सरकारी मान्यता प्राप्त इंदारे हैं, जहां इस्लामी तालीम के साथ—साथ आला दर्जे की दुनियावी तालीम भी दी जाती है। उन्होंने बताया कि यहां की पढ़ाई का मेयार आई.सी.एस.ई. और सी.बी.एस.ई बोर्ड की तरह अंग्रेजी जुबान में है, जबकि फीस बेहद कम रखी गई है।मौलाना रेहान क़धसमी ने कहा कि दीनी और दुनियावी तालीम को एक साथ आगे बढ़ाना यक़ीनन एक बड़ा च़ौलेंज है, लेकिन फाउंडेशन ने इसे कुबूल किया और आज

अल्लाह के फजल से यह तालीमी सफर एक मजबूत मुकाम तक पहुंच चुका है। जलसे को खिताब करते हुए मौलाना अब्दुल हलीम साहब ने कहा कि ऐसे इंदारे में पढ़ने वाले बच्चे और उनके वालिदैन मुबारकबाद के मुस्तहिकध हैं, जिन्होंने अपने बच्चों के लिए ऐसी जगह का इतिख़ब किया।जलसे में बड़ी तादाद में उलेमा—ए—दीन, इलाके के मुअज्जज लोग, वालिदेन और तलबा मौजूद रहे। आखिर में दुआ के साथ कार्यक्रम का इख़्तिताम हुआ।

# जनआरोग्य मेले के जरिए मधुमेह, श्वसन व त्वचा रोगों की व्यापक जांच

आजमगढ़ (आर एन एस) मुख्यमंत्री जनआरोग्य मेला कार्यक्रम के अंतर्गत मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एन. आर. वर्मा द्वारा विकासखंड बिलरियागंज स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र जमीफरेंदा एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बनकट का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान दोनों स्वास्थ्य केन्द्रों पर साफ—सफाई की व्यवस्था संतोषजनक पाई गई। चिकित्सकीय एवं सहायक स्टाफ की उपस्थिति निर्धारित मानकों के अनुरूप रही तथा दवाओं के भंडारण एवं रख—रखाव की स्थिति भी सुचारु पाई गई।

मुख्यमंत्री जनआरोग्य मेला के अंतर्गत

जनपद में कुल 77 मेलों का आयोजन किया गया, जिनमें 82 चिकित्सक एवं 265 पैरामेडिकल कर्मियों द्वारा स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं। इन मेलों के माध्यम से कुल 2605 मरीजों का पंजीकरण किया गया, जिनमें 1180 पुरुष, 1136 महिलाएं एवं 289 बच्चे शामिल रहे। मरीजों को पंजीकरण, जांच, उपचार एवं चिकित्सकीय परामर्श की सुवि्ा निःशुल्क उपलब्ध कराई गई।

रिपोर्ट के अनुसार मुख्यमंत्री जनआरोग्य मेला के दौरान 278 मधुमेह, 262 गैस्ट्रो, 242 श्वसन रोग, 246 त्वचा रोग, 120 उच्च रक्तचाप, 52 यकृत रोग, 37 एनीमिया, 9 क्षय रोग के मरीजों की जांच एवं उपचार

किया गया। इसके साथ ही 117 कुपोषित बच्चों की पहचान कर उन्हें आवश्यक परामर्श एवं उपचार उपलब्ध कराया गया। कोविड—19 हेल्प डेस्क पर 231 मरीजों की जांच की गई तथा गंभीर अवस्था वाले 7 मरीजों को उच्च चिकित्सा संस्थानों के लिए संदर्भित किया गया।

निरीक्षण के दौरान प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बनकट, विकासखंड बिलरियागंज में तैनात एनएमए हिमांशु सिंह अनुपस्थित पाए गए, जिस पर मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा दो दिवस के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं तथा भविष्य में इस प्रकार की लापरवाही न होने की सख्त

चेतावनी दी गई है।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एन. आर. वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री जनआरोग्य मेला शासन की एक महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजना है, जिसका उद्देश्य आमजन को उनके निकटतम स्वास्थ्य केन्द्र पर सुलभ, निःशुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। जनपद में आयोजित मेलों के माध्यम से बड़ी संख्या में लोगों को लाभ मिल रहा है। सभी चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मी पूरी निष्ठा और संवेदनशीलता के साथ आमजन की सेवा करें तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

# मुख्यमंत्री जनआरोग्य मेला के अंतर्गत दो प्राथमिक स्वास्थ्य77 केन्द्रों का सीएमओ ने किया निरीक्षण

आजमगढ़ (आर एन एस) जनपद में मुख्यमंत्री जनआरोग्य मेला कार्यक्रम के अंतर्गत मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एन. आर. वर्मा द्वारा विकासखंड बिलरियागंज स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र जमीफरेंदा एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बनकट का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान दोनों स्वास्थ्य केन्द्रों पर साफ—सफाई की व्यवस्था संतोषजनक पाई गई। चिकित्सकीय एवं सहायक स्टाफ की उपस्थिति निर्धारित मानकों के अनुरूप रही तथा दवाओं के भंडारण एवं रख—रखाव की स्थिति भी सुचारु पाई गई।मुख्यमंत्री

जनआरोग्य मेला के अंतर्गत जनपद में कुल 77 स्वास्थ्य मेलों का आयोजन किया गया, जिनमें 82 चिकित्सक एवं 265 पैरामेडिकल कर्मियों द्वारा सेवाएं प्रदान की गईं। इन मेलों के माध्यम से कुल 2605 मरीजों का पंजीकरण किया गया, जिनमें 1180 पुरुष, 1136 महिलाएं एवं 289 बच्चे शामिल रहे। सभी मरीजों को निःशुल्क पंजीकरण, जांच, उपचार एवं चिकित्सकीय परामर्श की सुविधा उपलब्ध कराई गई।रिपोर्ट के अनुसार, मेलों के दौरान 278 मधुमेह, 262 गैस्ट्रो, 242 श्वसन रोग, 246 त्वचा रोग, 120 उच्च रक्तचाप, 52 यकृत

रोग, 37 एनीमिया तथा 9 क्षय रोग के मरीजों की जांच एवं उपचार किया गया। साथ ही 117 कुपोषित बच्चों की पहचान कर उन्हें आवश्यक परामर्श एवं उपचार उपलब्ध कराया गया। कोविड—19 हेल्प डेस्क पर 231 मरीजों की जांच की गई, जबकि गंभीर अवस्था वाले 7 मरीजों को उच्च चिकित्सा संस्थानों के लिए संदर्भित किया गया। निरीक्षण के दौरान प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बनकट में तैनात एनएमए हिमांशु सिंह अनुपस्थित पाए गए, जिस पर मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा दो दिवस के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए

हैं तथा भविष्य में इस प्रकार की लापरवाही न करने की सख्त चेतावनी दी गई है।इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एन. आर. वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री जनआरोग्य मेला शासन की एक महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजना है, जिसका उद्देश्य आमजन को उनके निकटतम स्वास्थ्य केन्द्र पर सुलभ, निःशुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने सभी चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों को पूरी निष्ठा और संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी स्तर की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

# हर्षोल्लास के साथ मनाई गई संत रविदास जी की 649वीं जयंती

आजमगढ़ (आर एन एस) माघ महीने की पूर्णिमा के अवसर पर संत शिरोमणि संत रविदास जी महाराज की 649वीं जयंती पूरे देश में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इसी क्रम में आजमगढ़ जनपद में भी जगह—जगह झांकियां, भजन—कीर्तन, जनसभाएं एवं गोष्ठियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों के दौरान वक्ताओं ने संत रविदास जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। बताया गया कि संत रविदास जी का जन्म संवत 1433 के आसपास उत्तर प्रदेश के वाराणसी जनपद स्थित गोवर्धनपुर (सीर गोवर्धनपुर) गांव में एक चर्मकार परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम संतोष दास तथा माता का नाम कर्मा देवी था। उस समय समाज में छुआछूत और भेदभाव व्याप्त था, किंतु संत रविदास जी ने अपनी आध्यात्मिक शक्ति और विचारधारा से इन कुरीतियों को चुनौती दी।उन्होंने अपने पैतृक कार्य जूता निर्माण को पूरी निष्ठा से करते हुए ब्रह्मज्ञान की प्राप्ति की। संत रविदास जी निर्गुण विचारधारा के महान संत थे। उन्होंने ईश्वर को मंदिर—मस्जिद में नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर खोजने का संदेश दिया। उन्होंने यह सिद्ध किया कि यदि मन शुद्ध हो तो साधारण से साधारण स्थान भी पवित्र बन जाता है,मन चंगा तो कठौती में गंगा।संत रविदास जी की जयंती के उपलक्ष्य में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष हरिप्रकाश जी के नेतृत्व में भव्य झांकियां निकाली गईं। दर्जनों गांवों से आई झांकियां रानीपुर रजमा स्थित अंबेडकर प्रतिमा से प्रारंभ होकर गंभीरपुर बाजार का भ्रमण करते हुए संत रविदास मंदिर पर संपन्न हुईं। इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

## परिवार परामर्श प्रकोष्ठ नई किरण के अंतर्गत आज 10 पक्षों को बुलाया गया नव उपस्थित हुए एक में हुआ समझौता

आजमगढ़ (आर एन एस) थाना कोतवाली, जनपद आजमगढ़ परिसर स्थित परिवार परामर्श प्रकोष्ठनई किरण में बैठक आयोजित की गई। बैठक में कुल 10 पत्रावलियों में दोनों पक्षों को दूरभाषधोनोटिस के माध्यम से सूचित कर मीडिएशन हेतु बुलाया गया, जिनमें से 09 प्रकरणों में दोनों पक्ष उपस्थित रहे। अथक प्रयासों के उपरांत 01 पत्रावली में सफल समझौता कराया गया, जिसमें



बन्द किया गया। नई किरण परियोजना का उद्देश्य बिखरे हुए परिवारों को पुनः एक सूत्र में बाँधना है, जिससे न केवल पारिवारिक विवादों का सौहार्दपूर्ण समाधान हो सके, बल्कि माननीय पारिवारिक न्यायालयों पर कार्यभार भी कम हो।



पति द्वारा कम दान—दहेज के कारण मारपीट एवं धार से निकालने का आरोप था इसके अतिरिक्त 02 पत्रावलियों में दोनों दम्पति कुशलता प्रकट करने आए। 04 पत्रावलियों को अन्य कारणों से

## धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाई गई संत शिरोमणि श्री रविदास की जयंती

आजमगढ़ (आर एन एस) जनपद के बिलरियागंज थाना क्षेत्र अंतर्गत श्रीनगर सियरहां हरिजन बस्ती में रविवार को



संत शिरोमणि श्री रविदास जी की जयंती श्रद्धा, उत्साह और सामाजिक एकता के संदेश के साथ बड़े ही धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर पूरे गांव में उत्सव जैसा माहौल देखने

## दुबई में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगे 80 हजार, मुकदमा दर्ज

प्रयागरा।। गाजियाबाद जिले की रहने वाली एक शिक्षिका से उसके पति को नौकरी दिलाने के नाम पर ठग रुद्र प्रताप शाही पुत्र ओमप्रकाश शाही निवासी उज्जरपार थाना गगहा गोखपुरने 80 हजार का चूना लगा दिया। महिला की तहरीर पर एडिशनल डीसीपी अपराधों के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।प्राप्त जानकारी के अनुसार जानकारी के अनुसार गाजियाबाद जिले के मधुबन बापूधाम गोविंदपुरम निवासिनी एक शिक्षिका को फेसबुक के जरिए एक युवक से बातचीत के दौरान इस बात की गारंटी दी कि वह दुबई में रहकर बड़ा कारोबार करता है। इस पर शिक्षिका ने अपने पति को नौकरी दिलाने की बात की तो उसने 80000 की मांग की। शिक्षिका उसके झांसे में आ गई और चार बार में उसने 80 हजार रुपए उसे दे दिया। खाते में पैसा मिलते ही युवक ने उसकी फेसबुक आईडी और अन्य को ब्लॉक कर दिया जिस पर महिला ने युवक के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने महिला की तहरीर पर गोरखपुर के रुद्रप्रताप शाही गांव उज्जरपार ,थाना गगहा, तहसील गोला गोरखपुर के निवासी रुद्र प्रताप शाही पुत्र ओम प्रकाश शाही के खिलाफ गंभीर धारा में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

## समाज सेवा करने वाली संस्थानों तक पहुंचाने का हो रहा प्रयास- रजनीकांत

प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी एनजीओ प्रकोष्ठ के प्रांत सह—संयोजक रजनीकांत श्रीवास्तव ने कहा कि तीर्थराज प्रयाग के माघ मेले में पधारे देशभर से आए समाजसेवी स्वयंसेवी संस्थाओं का प्रयाग संगम, माँ गंगा के पावन तट पर हार्दिक अभिनंदन है। समाज में निरंतर निस्वार्थ भाव से सामाजिक कार्यों द्वारा अपनी विशिष्ट पहचान बनाने वाली सभी संस्थाओं तक पहुँचने का निरंतर प्रयास भारतीय जनता पार्टी के एनजीओ प्रकोष्ठ द्वारा किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति को नई पहचान दिलाने में अमृतपूर्व योगदान देने वाली वे संस्थाएँ, जो भंडारा, ज्योतिष, स्वास्थ्य, तप, योग एवं सनातन की आदि परंपराओं को आगे बढ़ाते हुए "अतिथि देवो भव" की परिकल्पना को साकार कर रही हैं, ऐसे सभी संस्थानों तक एनजीओ प्रकोष्ठ ने पहुँच बनाने का प्रयास किया है। इस अभियान की शुरुआत सेप्टर—6 के अंतिम छोर से की गई। श्री श्रीवास्तव ने बताया कि माघी पूर्णिमा तक लगभग 1800 संस्थानों तक संपर्क स्थापित किया जा चुका है तथा महाशिवरात्रि तक प्रयाग में पधारी सभी संस्थाओं तक पहुँचने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

## माघ मेला में आरएण्फ द्वारा ने किया निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

प्रयागराज। मनीष कुमार भारती, कमांडेंट 101 रैपिड एक्शन फोर्स के तत्वावधान में माघ पूर्णिमा के अवसर पर संगम क्षेत्र में आए श्रद्धालुओं की स्वास्थ्य सुविधा को ध्यान में रखते हुए निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। चिकित्सा शिविर में डॉ. अशोक कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी (ओजी) 101 आरएण्फ एवं उनकी चिकित्सा टीम द्वारा श्रद्धालुओं की स्वास्थ्य जाँच की गई। शिविर के दौरान सामान्य रोगों से संबंधित चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया गया तथा निःशुल्क दवाओं का वितरण भी किया गया साथ ही डॉ. अंशुल शुक्ल आशा दंत चिकत्सालय शांतिपुरम (बीडीएस) ने भी निःशुल्क दन्त चिकित्सा प्रदान की। इस पहल से माघ मेला में आए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। 101 रैपिड एक्शन फोर्स द्वारा माघ मेला के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा एवं मानवीय सेवा को प्राथमिकता देते हुए निरंतर जन—कल्याणकारी गतिविि यों संचालित की जा रही हैं।

## धूमधाम से मनाया गया रविदास जयंती,जमकर डीजे पर झूमे लोग

आजमगढ़ (आर एन एस)सगड़ी तहसील क्षेत्र के नगर पंचायत व दर्जनों गांव में रविदास जयंती के अवसर पर प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर गांव से लेकर कस्बा में निकली झांकी जुलूस में भक्ति गीतों पर झूमे लोग पुलिस प्रशासन रहा मुस्तेद हर्षोल्लास पूर्वक मनाई गई रविदास जयंती। आजमगढ़,जीयनपुर,लाटघाट, सवरपुर राजपूट्टी,पारीपट्टी,कुदारन तिवारी मुहम्मदपुर,कंजरा मोड़,अंजान शहीद,बेरमा,बनकट सहित दर्जनों गांवों में रविदास जयंती के अवसर पर रविवार को 3रू00 बजे गांव में समारोह पूर्वक रविदास जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर लोगों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किया।सवरपुर के रविदास मन्दिर पर कुल पांच गांव की झांकी अमुअरि ,अहिरोली,टेकनगारा, रामपुर,रामपुर पश्चमीपुरा की अलग—अलग झांकिया देखने को मिली।

वही गांव से लेकर बाजार तक मन मोहक झांकी निकाली गई।इस दौरान डीजे के धुन पर भक्ति गीतों के पर लोग झूमे वहीं चुनहवा चौक पर मंच लगाकर रविदास जयंती पर रविदास के व्यक्तित्व पर दर्जनों लोगों ने अपने—अपने विचार रखे। वही रविदास के ज्ञान को आत्मसात करने व उनके बताए रास्ते पर चलने के लिए लोगों को प्रेरित किया। इस दौरान जुलूस में नौजवान युवक डीजे की धुन पर नाचते रहे।कार्यक्रम में गायकों ने अपनी मनमोहक भक्ति गीतों से श्रोताओं को झूमने के लिए मजबूर कर दिया। जगह—जगह पुलिस प्रशासन मुस्तेद रहा इस दौरान कहीं कोई अप्रिय घटना नहीं घटी जीयनपुर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राजकुमार सिंह ने भ्रमण कर झांकी व जुलूस का निरीक्षण किया।इस दौरान आयोजित कार्यक्रम में महेंद्र कुमार ,दुर्गा प्रसाद यादव, रामकृष्ण गौतम ,महेश प्रधान , रमेश चौद,इन्द्रप यादव ,पुनवशी यादव, बृजेश कुमार ,मुन्ना, रामदुलारे ,सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

को मिला। ग्राम प्रधान शिव शंकर

यादव के नेतृत्व में ग्रामीणों द्वारा भव्य झांकी सजाई गई, जिसके साथ डीजे की भक्तिमय धुनों पर नाचते हुए गायक श्रद्धालुओं का जुलूस निकाला गया। जुलूस गरीबों से लेकर बिलरियागंज थाना पुलिस के जवान पूरे समय मुस्तेद रहे, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ।यह आयोजन न केवल आस्था का प्रतीक बना, बल्कि समाज में एकता और सद्भाव का मजबूत संदेश भी दे गया।

## यूपी बार काउंसिल चुनाव में तीसरे दिन वोटिंग जारी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश बार काउंसिल चुनाव के अंतिम चरण के तहत प्रयागराज में रविवार को तीसरे दिन भी मतदान जारी रहा। इतिहास में पहली बार ऐसा हो रहा है कि प्रयागराज में बार काउंसिल चुनाव के लिए लगातार चार दिनों तक मतदान कराया जा रहा है। सुबह से ही बार काउंसिल परिसर के बाहर अ्धि वक्ताओं की लंबी कतारें देखने को मिलीं। पहले और दूसरे दिन की तरह ही आज भी मतदाताओं, प्रत्याशियों और उनके समर्थकों की भारी भीड़ जुटी रही। प्रत्याशी अपने समर्थकों के साथ मतदाताओं से संपर्क कर अपने पक्ष में मतदान की अपील करते नजर आए।

इस बार सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर प्रयागराज में करीब 33 हजार अधिवक्ताओं को चार दिनों में मतदान का अवसर दिया गया है। यह फैसला मतदाताओं की संख्या को देखते हुए लिया गया है।

अंतिम चरण में प्रयागराज के शेष 33 हजार वकील चार दिनों में मतदान कर रहे हैं। प्रशासनिक आंकड़ों के अनुसार रविवार यानी तीसरे दिन तक करीब 14 हजार अधिवक्ता अपने मताधिकार का प्रयोग कर चुके हैं। शेष मतदाता सोमवार तक मतदान कर लेंगे। मतदान को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। बार काउंसिल परिसर और आसपास के इलाकों में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। मुख्य मार्गों पर बैरिकेडिंग कर वाहनों का डायवर्जन किया गया है। मतदान स्थल को सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में रखा गया है।पूर्व महाधि वक्ता इमरान उल्लाह ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का प्रयागराज में चार दिन तक मतदान कराने का फैसला सराहनीय है। इससे 33 हजार अधिवक्ता मतदाताओं को सुविधा मिल रही है। उन्होंने अधि वक्ताओं से अपील की कि चुनाव को त्योहार की तरह मनाएं, अधिा वक्ता से अधिक संख्या में मतदान करें और केवल प्रैक्टिसिंग वकीलों को ही चुनें। साथ ही उन्होंने कहा कि बार काउंसिल को राजनीति और कारोबारी सोच से दूर रखा जाना चाहिए।

## माघ मेला कल्पवासी शिविर में सिलेंडर लीकेज से आग

प्रयागराज। माघ मेले के सेक्टर—2 स्थित एक कल्पवासी शिविर में सुबह सिलेंडर लीकेज से आग लग गई। इस घटना से मौके पर हड़कंप मच गया। हालांकि, दमकल कर्मियों ने समय रहते आग पर काबू पा लिया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना रविवार सुबह लगभग 7रू45 बजे सेक्टर—2 के गाटा संख्या—5 में स्थित शललन जी पंडा कढ़ाही का झंडाश के कल्पवासी शिविर में हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कल्पवासी राम बहोर दुबे के शिविर में खाना बनाने की तैयारी चल रही थी, तभी रसोई गैस सिलेंडर से लीकेज शुरू हो गया। देखते ही देखते आग की लपटें उठने लगीं, जिससे श्रद्धालुओं और कल्पवासियों में अफरा—तफरी मच गई।आग लगने की सूचना मिलते ही माघ मेले में तैनात दमकल विभाग की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से आग बुझाने का काम शुरू किया। कड़ी मशकत के बाद आग को अन्य टेंटों में फैलने से पहले ही नियंत्रित कर लिया गया। सुरक्षा घेरा बनाकर गैस सिलेंडर को तुरंत सुरक्षित स्थान पर हटाया गया, जिससे संभावित विस्फोट का खतरा टल गया।इसया कल्पवासी शिविर में आग लगी, वहां लगभग 80 कैंप लगे थे और घटना के समय करीब 300 श्रद्धालु मौजूद थे। माघ मेले में टेंटों की सघनता और हवा की गति को देखते हुए आग के तेजी से फैलने की आशंका थी। यदि आग पर समय रहते काबू न पाया जाता, तो यह पूरे गाटा संख्या—5 को अपनी चपेट में ले सकती थी, जिससे बड़े पैमाने पर जान—माल का नुकसान हो सकता था।मेला प्रशासन ने बताया कि इस अग्निकांड में कोई जनहानि नहीं हुई है। किसी भी श्रद्धालु को गंभीर चोट नहीं आई और न ही कोई शिविर पूरी तरह से जला है। समय पर की गई कार्रवाई से सभी टेंट सुरक्षित रहे।

## विकसित भारत की दीर्घकालिक नींव को और अधिक सुदृढ़ करेगा- महापौर

प्रयागराज। महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी एवं निर्णायक नेतृत्व में केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2026 विकसित भारत की दीर्घकालिक नींव को और अधिक सुदृढ़ करेगा। यह बजट स्वास्थ्य क्षेत्र को सुदृढ़ करने, आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार, शोध एवं नवाचार को बढ़ावा देने के साथ ही आमजन को किफायती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह बजट देश के प्रत्येक वर्ग के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

## केंद्रीय बजट निराशाजनक- किशोर वार्ष्णेय

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रवक्ता किशोर वार्ष्णेय ने केंद्रीय वित्त एवं कारपोरेट मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा रविवार को संसद में प्रस्तुत 2026—27 के केंद्रीय बजट को निराशाजनक बताया है। उन्होंने कहा कि बजट आम लोगों के लिए धोखे के प्रयास जैसा है। सरकार ने आम आदमी को बेवकूफ बनाया है। किसानों, बेरोजगारों और गरीबों को कुछ भी हासिल नहीं सिवाय निराशा हाथ लगने का। बजट में महिलाओं, युवाओं के अतिरिक्त रोजगार सृजन एवं महंगाई को नियंत्रण करने के लिए भी सरकार ने कोई ठोस कदम नहीं उठाए। रोजगार कैसे पैदा होगा, इसका कोई उल्लेख नहीं किया गया है। पंजीगत खर्च में कटौती 1,00,503 करोड़ रुपए है। रुपए की गिरावट से निपटने के लिए भी सरकार के पास कोई योजना नहीं है। कर्ज के बढ़ते बोज़ पर भी ध्यान नहीं दिया गया। यह गरीबों की हकमरी वाला बजट है। ग्रामीण एवं शहरी विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सामाजिक कल्याण के अलावा खेती बजट में कटौती निराशापूर्ण है। कहा कि बजट में देश को नई दिशा देने का काम किया जाना चाहिए था मगर वह नहीं हुआ यहां तक की मोदी सरकार ने अपने वादों को भी नकार दिया है। सरकार ने यह नहीं बताया कि अनुमानित घाटा कहां से पूरा करेंगे कुल मिलाकर यह फिजूल खर्ची का बजट है, जो लोगों के हित में नहीं है।

## श्री अग्रसेन अग्रवाल समाज ने किया माघ मेला में भंडारे का आयोजन

प्रयागराज। माघ मेला 2026 के पावन अवसर पर अरैल क्षेत्र में स्थित श्री अग्रसेन अग्रवाल समाज, प्रयागराज के शिविर में माघी पूर्णिमा के शुभ दिन एक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। आज का यह भंडारा अग्रवाल युवा महिला मंडल की सदस्य रीमा अग्रवाल की ओर से आयोजित किया गया। यह सेवा कार्यक्रम अग्रवाल युवा मंडल एवं अग्रवाल युवा महिला मंडल के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, कल्पवासियों तथा मेला क्षेत्र में आए नागरिकों ने प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे के दौरान सेवा, सहयोग और सामाजिक समरसता की भावना स्पष्ट रूप से देखने को मिली। समाज के पदाधिाकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने पूरे समर्पण भाव के साथ व्यवस्थाओं को संभालते हुए श्रद्धालुओं की सेवा का।इस अवसर पर श्री अग्रसेन अग्रवाल समाज, प्रयागराज के उपाध्यक्ष हरिश चन्द्र अग्रवाल (बिल्लू भैया), अग्रवाल युवा मंडल के अध्यक्ष अभिनव अग्रवाल, महामंत्री वैभव गोयल, मंत्री संकेत अग्रवाल, मंत्री येशा गोयल, प्रणव अग्रवाल सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।



## भारत के खिलाफ बहिष्कार, लेकिन फाइनल का क्या? पाकिस्तान के रुख पर पूर्व क्रिकेटरों ने उठाए सवाल

पीटरसन ने अपनी पोस्ट में लिखा स्पेक्का नहीं कि ग्रुप और प्ले—ऑफ की वजह से भारत इस वर्ल्ड कप फाइनल में पाकिस्तान से मिल पाएगा, लेकिन अगर वे मिल पाते हैं, तो क्या पाकिस्तान वर्ल्ड कप फाइनल खेलने से मना कर देगा?आगामी २20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत के खिलाफ महामुकाबले के बहिष्कार के पाकिस्तान के फैसले ने क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया है। जिसे एक राजनीतिक बयान माना जा रहा था, उसने अब कई असहज सवाल खड़े कर दिए हैंक़्वासकर इस बात को लेकर कि क्या यह बहिष्कार केवल चुनिंदा मैचों तक सीमित रहेगा या इसके परिणाम और भी गहरे होंगे।आखिर क्यों पाकिस्तान ने दी बहिष्कार की धमकी?इस तनाव की जड़ में पीसीबी अध्यक्ष और आंतरिक मंत्री मोहसिन नकवी का बयान है। उन्होंने बांग्लादेश के साथ एकजुटता दिखाते हुए टूर्नामेंट से हटने की धमकी दी थी, क्योंकि 20 टीमों वाले इस मुकाबले में बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को शामिल किया गया है।मामला 15 फरवरी को कोलंबो का है, जहां भारत और पाकिस्तान का २20 वर्ल्ड कप 2026 के लीग स्टेज में मुकाबला होना था। जहां पाकिस्तान सरकार के ऐलान ने फैस को चौंका दिया, वहीं पूर्व क्रिकेटरों ने सबसे तीखे सवाल उठाए हैं। यह सोचते हुए कि क्या किसी ग्लोबल टूर्नामेंट



में चुनिंदा भागीदारी संभव है।पीटरसन और अश्विन ने बॉयकॉट के रुख पर सवाल उठाएंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन इस कदम के पीछे के तर्क को सार्वजनिक रूप से चुनौती देने वाले पहले लोगों में से थे, उन्होंने सवाल किया कि अगर टूर्नामेंट में बाद में दोनों टीमों आमने—सामने होती हैं तो क्या पाकिस्तान वही रुख बनाए रखेगा। पीटरसन ने अपनी पोस्ट में लिखा स्पेक्का नहीं कि ग्रुप और प्ले—ऑफ की वजह से भारत इस वर्ल्ड कप फाइनल में पाकिस्तान से मिल पाएगा, लेकिन अगर वे मिल पाते हैं, तो क्या पाकिस्तान वर्ल्ड कप फाइनल खेलने से मना कर देगा?इसके तुरंत बाद, भारत के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने भी इस पर अपनी राय दी, और बताया कि इस तरह के बॉयकॉट से नॉकआउट मैचों में क्या दिक्कतें आ सकती हैं। अश्विन की पोस्ट

में लिखा था प्क्या नॉकआउट में भी भारत—पाकिस्तान मैच नहीं होगा? पक्का? अगर हम वहां पहुंचते हैं तो क्या यह श्वलैंड २20 बायश होगा?७ पाकिस्तान ने भारत बनाम पाकिस्तान मैच के बॉयकॉट की धमकी क्यों दी?पाकिस्तान के बॉयकॉट का ऐलान व्ठ चेयरमैन और गृह मंत्री मोहसिन नकवी के बयानों से हुआ है, जिन्होंने 20 टीमों के टूर्नामेंट में बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को शामिल किए जाने से हटने की धमकी दी थी। हालांकि राजनीतिक संदेश साफ था, लेकिन क्रिकेट पर इसका असर कुछ और ही हुआ है।इसे भी पढ़ेंरू ज़त्तनउच ने भारत के लिए फैसला सुनाया, दुनिया हैरान।इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (व्ब) ने पहले ही गंभीर

चिंताएं जताई हैं, चेतावनी दी है कि चुनिंदा भागीदारी टूर्नामेंट और उसके ग्लोबल दर्शकों को कमजोर करती है। व्ब ने कहा है कि वह पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड से औपचारिक जानकारी का इंतजार कर रहा है, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि ऐसे फैसलों के खेल पर लंबे समय तक परिणाम हो सकते हैं। इस बीच, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (व्ब) के सूत्रों का कहना है कि भारत प्रोटोकॉल का पालन करेगा। टीम कोलंबो जाएगी, ट्रेनिंग सेशन और मीडिया कमिटेमेंट में हिस्सा लेगी, और आखिरी फैसला मैच अधि।कारियों पर छोड़ देगी। भारत—पाकिस्तान मैच क्रिकेट की सबसे कीमती प्रॉपर्टी बनी हुई है, यही वजह है कि 2012 से द्विपक्षीय संबंध खराब होने के बावजूद व्ब ने लगातार दोनों टीमों को एक ही ग्रुप में रखा है।

## इशान किशन को विकेटकीपिंग मिलने पर बोले सूर्यकुमार यादव, सीरीज से पहले ही तय था प्लान

भारत—न्यूजीलैंड टी 20 सीरीज के बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव ने खुलासा किया कि इशान किशन और संजू सैमसन के बीच विकेटकीपिंग की रोटेशन पॉलिसी पहले से तय थी। उन्होंने तिलक वर्मा और वॉशिंगटन सुंदर की फिटनेस पर भी सकारात्मक अपडेट देते हुए बताया कि दोनों खिलाड़ी टी20 वर्ल्ड कप के लिए अच्छी रिकवरी कर रहे हैं।भारतीय टीम प्रबंधन विकेटकीपिंग को लेकर किसी तरह की उलझन में नहीं दिख रहा है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तिरुवनंतपुरम में खेले गए पांचवें टी20 मुकाबले के बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव ने साफ कर दिया कि इशान किशन को संजू सैमसन से पहले विकेटकीपिंग मिलना कोई अचानक लिया गया फैसला नहीं था। बता दें कि इस मुकाबले में संजू सैमसन ने बतौर शुद्ध बल्लेबाज खेलते हुए छह रन बनाए, जबकि इशान किशन ने शानदार शतक जड़ते

हुए टी20 वर्ल्ड कप से पहले अपनी दावेदारी मजबूत की। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में सूर्यकुमार यादव ने कहा कि तिलक वर्मा की अनुपस्थिति के चलते सीरीज की शुरुआत से ही यह तय किया गया था कि विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी दोनों खिलाड़ियों के बीच बांटी जाएगी। उनके मुताबिक, पहले से यह योजना थी कि तीन मैचों में संजू सैमसन और दो मैचों में इशान किशन विकेटकीपिंग करेंगे।उन्होंने यह भी बताया कि इशान किशन पिछला मैच हल्की चोट के कारण नहीं खेल पाए थे, लेकिन पांचवें टी20 में वही विकेटकीपिंग करने वाले थे।गौरतलब है कि भारतीय टीम को जल्द ही टी20 वर्ल्ड कप में उतरना है और ऐसे में खिलाड़ियों की फिटनेस पर भी नजर रखी जा रही है। इस संदर्भ में सूर्यकुमार यादव ने तिलक वर्मा की स्थिति पर भी अपडेट दिया है।मौजूद जानकारी के अनुसार, तिलक वर्मा टेस्टिकुलर सर्जरी से उबर रहे हैं



ने बताया कि उन्होंने खुद तिलक से बातचीत की है और वह बल्लेबाजी, गेंदबाजी व फील्डिंग तीनों में वापसी कर चुके हैं। इसके अलावा ऑर्नराउंडर वॉशिंगटन सुंदर की रिकवरी पर भी सकारात्मक संकेत मिले हैं।

और गेंदबाजी शुरू कर दी है और उनकी प्रगति संतोषजनक है। भारतीय कप्तान ने उम्मीद जताई कि दोनों खिलाड़ी जल्द ही टीम के साथ पूरी तरह उपलब्ध रहेंगे।

## सोना-चांदी रेट में भूचाल, लोअर सर्किट से निवेशकों में हड़कंप!

केंद्रीय बजट से ठीक पहले सोना—चांदी की कीमतों में जोरदार गिरावट दर्ज की गई, और वायदा भाव लोअर सर्किट तक फिसल गए। रिकॉर्ड ऊंचाई से मुनाफावसूली और अमेरिकी डॉलर की मजबूती को इस तेज बिकवाली का मुख्य कारण माना जा रहा है, जिससे एमसीएक्स के शेयरों पर भी दबाव दिखा।बजट से पहले सर्रीफा बाजार में भारी उथल—पुथल देखने को मिली। रविवार को सोना और चांदी दोनों की कीमतों में जोरदार गिरावट दर्ज की गई, जिससे वायदा कारोबार में दोनों धातुएं अपने लोअर सर्किट स्तर तक फिसल गईं।बता दें कि अप्रैल 2026 डिलीवरी वाले सोने के वायदा भाव 9,140 रुपये यानी करीब 6 फीसदी टूटकर 1,43,205 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गए। वहीं मार्च 2026 डिलीवरी वाली चांदी 17,515 रुपये की गिरावट के साथ 2,74,410 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई।कीमती धातुओं में इस तेज बिकवाली का असर मल्टी क्मोडिटी एक्सचेंज पर भी दिखा, जहां एमसीएक्स के शेयर 10 फीसदी गिरकर 2,145.25 रुपये के लोअर सर्किट पर बंद हुए हैं। गौरतलब है कि शुक्रवार को भी सोना और चांदी में एक दिन की सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की

गई थी, जिससे निवेशकों की चिंता और बढ़ गई।मौजूद जानकारी के अनुसार, यह गिरावट ऐसे समय आई है जब वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण केंद्रीय बजट 2026—27 पेश करने जा रही हैं। इसी वजह से एमसीएक्स को 1 फरवरी को विशेष रविवार सत्र के लिए खोला गया था।विशेषज्ञों का मानना है कि बीते कुछ महीनों में रिकॉर्ड तेजी के बाद निवेशकों ने मुनाफावसूली शुरू कर दी है।

## जिम स्टीन में शामिल करें फार्मर वाक, आपको मिल जाएंगे ये मुख्य फायदे

फार्मर वॉक एक ऐसी एक्सरसाइज है जो न केवल शरीर को ताकत देती है, बल्कि मानसिक संतुलन भी बनाए रखती है। इस एक्सरसाइज में भारी वजन उठाकर चलना होता है, जिससे शरीर के कई हिस्सों पर असर पड़ता है। इससे पूरे शरीर की मांसपेशियां सक्रीय होती हैं, जिससे ताकत बढ़ती है। इसे नियमित रूप से करने से आपको कई स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं। आइए जानते हैं कि फार्मर वॉक करने से क्या—क्या फायदे मिल सकते हैं।शारीरिक ताकत में बढ़ोतरीफार्मर वॉक करने से शरीर की ताकत बढ़ती है। जब आप भारी वजन उठाकर चलते हैं तो मांसपेशियां मजबूत होती हैं और शरीर की ऊर्जा भी बढ़ती

है। यह एक्सरसाइज आपके हाथों, कंधों और पीठ की मांसपेशियों को ताकत दे सकती है। इसके अलावा इससे आपके पैरों की ताकत भी बढ़ सकती है और आप अधिक वजन कर सकते कर पाने में माहिर हो सकते हैं। नियमित रूप से फार्मर वॉक करने से शारीरिक क्षमता में सुध्ाार होता है।संतुलन बनाए रखने में सहायकफार्मर वॉक करते समय संतुलन बनाए रखना पड़ता है, जिससे आपकी स्थिरता और संतुलन क्षमता में सुधार हो सकता है। यह एक्सरसाइज आपके शरीर के बीच के हिस्से को मजबूत बनाती है, जिससे आप अन्य गतिविधियों में भी बेहतर प्रदर्शन कर पाते हैं। इसके अलावा इससे आपके की कोर

मांसपेशियों की ताकत भी बढ़ती है, जो संतुलन बनाए रखने में अहम भूमिका निभाती है। नियमित रूप से फार्मर वॉक करने से आप अधिक स्थिरता और संतुलन प्राप्त कर सकते हैं।ध्यान केंद्रित करने में सहायकफार्मर वॉक करते समय आपका ध्यान पूरी तरह से वजन उठाने पर केंद्रित होता है, जिससे आपके मन में चल रही अनावश्यक चिंताओं और विचारों को कम करने में मदद मिलती है। यह एक्सरसाइज मानसिक शांति और स्थिरता प्रदान करती है। इसके अलावा इससे एकग्रता क्षमता भी बढ़ती है, जो अन्य कार्यों में भी मददगार साबित होती है।

नियमित रूप से फार्मर वॉक करने से मानसिक संतुलन में सुधार होता है। कैलोरी बर्न करने का बेहतरीन तरीकाफार्मर वॉक एक तेज गति वाली एक्सरसाइज है, जिससे तेजी से कैलोरी बर्न होती है। इससे शरीर की ऊर्जा को बढ़ावा मिलता है, जिससे वजन कम करना आसान हो जाता है। यह एक्सरसाइज न केवल चर्बी घटाती है, बल्कि शरीर की ऊर्जा स्तर को भी बढ़ाती है। नियमित रूप से फार्मर वॉक करने से आप अधिक फिट और स्वस्थ महसूस कर सकते हैं। इसके अलावा इससे आपकी सहनशक्ति में भी सुध्ाार हो सकता है।

## टी 20 विश्व कप 2026 में खेलेगा पाकिस्तान, पर कोलंबो में टीम इण्डियां से भिड़ने से किया इनकार!

पाकिस्तान सरकार ने 2026 टी20 विश्व कप के लिए अपनी टीम की भागीदारी को मंजूरी दे दी है, लेकिन भारत के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले मैच पर रोक लगा दी है। यह निर्णय पीसीबी अध्यक्ष की बहिष्कार की धमकी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के साथ बैठक के बाद आया है, जिससे भारत—पाकिस्तान क्रिकेट संबंधों में एक नया मोड़ आ गया है।पाकिस्तान सरकार ने अपनी राष्ट्रीय टीम को आगामी टी20 विश्व कप 2026 में खेलने की अनुमति दे दी हैय हालांकि, उसने टीम को 15 फरवरी को कोलंबो में भारत के खिलाफ होने वाले मैच में खेलने की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा



बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में शामिल किए जाने के बाद, पाकिस्तान की भागीदारी को लेकर एक सप्ताह से चली आ रही अनिश्चितता के बाद यह कदम उठाया गया है। आईसीसी द्वारा बांग्लादेश को टूर्नामेंट से बाहर किए जाने के बाद, पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने विश्व कप के संभावित बहिष्कार की धमकी दी थी। नकवी ने कहा था कि पाकिस्तान की भागीदारी पर फैसला प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के साथ उनकी मुलाकात के बाद लिया जाएगा।

## जसप्रीत बुमराह के टी 20 कैरियर का सबसे महंगा स्पेल, बनाया यह शर्मनाक रिकर्ड

न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 मैच में जसप्रीत बुमराह ने 58 रन देकर अपने करियर का सबसे महंगा स्पेल जाला, जो उनका 262 मैचों में सबसे खराब प्रदर्शन है। हालांकि, इशान किशन के शतक और अर्शदीप सिंह के पांच विकेटों की बदौलत भारत ने यह मैच 46 रनों से जीत लिया। भारत के दिग्गज तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए भारत—न्यूजीलैंड के पांचवें मैच में अपने करियर का सबसे महंगा गेंदबाजी प्रदर्शन दर्ज किया। शनिवार को खेले गए इस मैच में बुमराह ने न्यूजीलैंड के खिलाफ बिना विकेट लिए 58 रन लुटाए। जसप्रीत बुमराह का 0६88 का प्रदर्शन 262 टी20 मैचों में उनका सबसे महंगा गेंदबाजी प्रदर्शन है। उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2021 के दौरान दिल्ली में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ बनाए गए अपने पिछले सबसे खराब प्रदर्शन 1९६6 को भी पीछे छोड़ दिया

है।बुमराह ने अपने तीसरे ओवर में 22 रन भी लुटाए, जो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उनका सबसे महंगा ओवर बन गया। यह रिकॉर्ड 2017 में कानपुर में इंग्लैंड के खिलाफ दिए गए 21 रनों से भी अधिक है। इशान किशन की 23 गेंदों में 103 रनों की शानदार पारी और कप्तान सूर्यकुमार यादव की 30 गेंदों में 63 रनों की बदौलत भारत ने 271 रन बना लिए। इसके बाद अर्शदीप सिंह ने भारतीय गेंदबाजी की शुरुआत की, जबकि हार्दिक पांड्या ने दूसरा ओवर फेंका।चार ओवर पूरे होने के बाद बुमराह गेंदबाजी करने आए, उस समय न्यूजीलैंड का स्कोर 56६1 था। बुमराह ने अपने पहले ओवर में सिर्फ 10 रन दिए, लेकिन दूसरे ओवर में 14 रन लुटा दिए। यह टीम का 10वां ओवर था, जिसमें रचिन रविंद्र ने छक्का लगाया और उसी ओवर में र्लेन फिलिप्स ने चौका मारा। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बुमराह का सबसे महंगा ओवर तब आया जब वे अपना तीसरा और भारत का 14वां ओवर

फेंकने आए। न्यूजीलैंड के डैरिल मिशेल ने तेज गेंदबाज को चौका मारा और फिर लगातार दो छक्के जड़े। बेवन जैकब्स ने भी उसी ओवर में चौका लगाया और मेहमान



टीम ने उस ओवर में 22 रन बनाए। बुमराह ने दिन का अपना आखिरी ओवर 18वें ओवर में फेंका। इस ओवर में उन्होंने 13 रन दिए, जिसमें ईश सोढ़ी और जैकब डकी दोनों ने बुमराह की गेंदों पर एक—एक चौका लगाया। बुमराह ने 4 ओवर में 0—58 के गेंदबाजी आंकड़ों के साथ अपनी गेंदबाजी समाप्त की। मैच के परिणाम की

बात करें तो, इशान किशन की 43 गेंदों में 103 रनों की पारी, कप्तान सूर्यकुमार यादव (30 गेंदों में 63 रन) के मजबूत समर्थन और अर्शदीप सिंह (4 ओवर में 5६६1)

## सरकार को 44 लाख करोड़ रुपये से अधिक टैक्स राजस्व की उम्मीद, प्रत्यक्ष कर में भारी उछाल का अनुमान

वित्त वर्ष 2026—27 में व्यक्तिगत आयकर संग्रह में 11.73 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 14.66 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है, जबकि वित्त वर्ष 2025—26 का संशोधित अनुमान 13.12 लाख करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2026—27 में कॉरपोरेट कर संग्रह 11 प्रतिशत बढ़कर 12.31 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है, जबकि पिछले वर्ष यह 11.09 लाख करोड़ रुपये था। प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) संग्रह का अनुमान 2026—27 के लिए 26.97 लाख करोड़ रुपये से अधिक है।व्यक्तिगत आयकर (पीआईटी) और कॉरपोरेट कर संग्रह (सीआईटी) सहित कुल प्रत्यक्ष कर संग्रह वित्त वर्ष 2026—27 के लिए 26.97 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। राजस्व सचिव अरविंद श्रीवास्तव ने कहा कि वित्त वर्ष 2026—27 में प्रत्यक्ष कर के लिए कर उछाल 1.14 रहने का अनुमान

है, जबकि वित्त वर्ष 2025—26 का संशोधित अनुमान 13.12 लाख करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2026—27 में कॉरपोरेट कर संग्रह 11 प्रतिशत बढ़कर 12.31 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है, जबकि पिछले वर्ष यह 11.09 लाख करोड़ रुपये था। प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) संग्रह का अनुमान 2026—27 के लिए 26.97 लाख करोड़ रुपये से अधिक है।व्यक्तिगत आयकर (पीआईटी) और कॉरपोरेट कर संग्रह (सीआईटी) सहित कुल प्रत्यक्ष कर संग्रह वित्त वर्ष 2026—27 के लिए 26.97 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। राजस्व सचिव अरविंद श्रीवास्तव ने कहा कि वित्त वर्ष 2026—27 में प्रत्यक्ष कर के लिए कर उछाल 1.14 रहने का अनुमान

है। श्रीवास्तव ने कहा कि अप्रत्यक्ष करों की बात करें तो सीमा शुल्क से 2.71 लाख करोड़ रुपये और उत्पाद शुल्क से 3.89

लाख करोड़ रुपये था। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, “हमें उम्मीद है कि इन सभी सुधारों के साथ करों में वृद्धि की दर



लाख करोड़ रुपये का संग्रह होने का अनुमान है, जबकि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह वित्त वर्ष 2026—27 में 2.59 प्रतिशत कम होकर 10.19 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। पिछले वित्त वर्ष में यह आंकड़ा 10.46

अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर से भी तेज होगी। इसलिए, हमें उम्मीद है कि आने वाले वर्ष में अर्थव्यवस्था का कर राजस्व पर्याप्त रूप से मजबूत रहेगा।

## सर्दियों के लिए बेहतरीन है ऊनी बेरेट, इन 5 तरीकों से बनाएं स्टाइल का हिस्सा

सर्दियों में ठंड से बचने और खास दिखने के लिए लोग ऊनी बेरेट पहनना पसंद करते हैं। यह न केवल सिर को गर्म रखती है, बल्कि आपके पूरे लुक को भी खास बना सकती है। ऊनी बेरेट में कई डिजाइन और रंग उपलब्ध रहते हैं, जो आपके व्यक्तित्व को उभारने में मदद कर सकते हैं। इस लेख में हम कुछ बेहतरीन ऊनी बेरेट स्टाइल्स पर चर्चा करेंगे, जो कपड़ों की अलमारी में शामिल करने लायक हैं।क्लासिक सुनहरी बेरेटक्लासिक सुनहरी बेरेट हर किसी के पास होनी ही चाहिए। यह किसी भी पोशाक के साथ आसानी से मेल खा सकती है, चाहे वह सूट हो या जींस। सुनहरी रंग की बेरेट आपको एक शाही अंदाज दे सकती है और इसे आप किसी भी रंग के कपड़ों के साथ पहन सकती हैं। इसे आप स्फेद या काले रंग के सिंपल कपड़ों पर स्टाइल कर सकती हैं। इससे साधारण कपड़े भी खास लगने लगेंगे और आपका लुक निखर जाएगा।लाल रंग की बेरेटलाल रंग की बेरेट सर्दियों में एक अलग ही सुंदरता दे सकती है। इस रंग वाली बेरेट हर रंगत वाली महिला पर अच्छी लगती है। लाल रंग की बेरेट को आप स्फेद या लाल रंग की पोशाक के साथ आसानी से स्टाइल कर सकती है। यह खास तौर से ड्रेस या स्कर्ट टॉप के साथ कमाल की लगेगी। इसे महिलाएं क्रिसमस और वैलेंटाइन डे जैसे खास मौकों पर स्टाइल करना बहुत पसंद करती हैं।नीली रंग की बेरेटनीली रंग की बेरेट भी एक सुंदर विकल्प हो सकता है जो आपको एक अलग ही अंदाज देगा। इसे आप किसी भी रंग के कपड़ों के साथ मिलाकर पहन सकती हैं। हालांकि, यह स्फेद, काले या ग्रे रंग की पोशाक के साथ सबसे ज्यादा अच्छी लगती है। आप जींस टॉप और स्वेटर वेस्ट के साथ इसे स्टाइल कर सकती हैं या फिर ड्रेस और लेगिंग के साथ भी इसका मेल बेठा सकती हैं।क्रीम रंग की बेरेटक्रीम रंग की बेरेट एक बहुत ही सुंदर लुक देती है, जो सर्दियों में बहुत ही खास लगता है। हल्का होने की वजह से इसका रंग ज्यादातर कपड़ों के साथ अच्छा लग सकता है।





